

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ़, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ़ और उत्तराखंड

## भारत बंद : पश्चिमी यूपी के सभी जिलों में सपा-बसपा-भीम आर्मी का प्रदर्शन, कई जगह हंगामा

अनुसूचित जाति व जनजाति आरक्षण में कोटा दिए जाने के मामले में भारत बंद का आह्वान किया गया है। आज बसपा, आजाद समाज पार्टी, भीम आर्मी सहित अन्य संगठन कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर ज्ञापन देंगे। सुरक्षा के लिए पुलिस की सभी मुख्य चौराहों पर ड्यूटी लगाई गई है। वहीं कई जगहों पर समाजवादी पार्टी ने भी बंद को समर्थन दिया है। आरक्षण के इस मामले पर अनुसूचित जाति व जनजाति से संबंधित संगठनों में रोष व्याप्त है। बसपा, भीम आर्मी, आजाद समाज पार्टी, बहुजन एकता संघर्ष

### संक्षिप्त समाचार

**69000 शिक्षक भर्ती बैंक ने रद्द किया शिक्षकों से वसूली फरमान, अखिलेश बोले- भाजपा की युवाओं से हुई हार**

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बांदा के कॉर्पोरेट बैंक द्वारा ऋण की वसूली का फरमान जारी करने और फिर इसे रद्द करने को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सरकार दबाव में ये काम कर रही है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को सोशल साइट एक्स पर कहा कि 69000 शिक्षक भर्ती कोर्ट से निरस्त होते ही बांदा जिले के कॉर्पोरेट बैंक ने भर्ती हुए शिक्षकों से बैंक से लिए गए किसी भी प्रकार के ऋण की वसूली का फरमान जारी कराकर और आगे भी किसी भी प्रकार के लोन का रास्ता बंद करने की साजिश रची परंतु युवाओं के आक्रोश के आगे ये फरमान एक दिन भी टिक नहीं पाया और भाजपा सरकार को इसे भी रद्द करने का आदेश निकालना पड़ गया लेकिन याद रहे उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ये काम मन से नहीं दबाव से कर रही है, इसीलिए इस आदेश को पूरी तरह रद्द नहीं बल्कि कुछ समय के लिए स्थगित मानकर इसका भरपूर विरोध जारी रखना चाहिए। वैसे तात्कालिक रूप से ये युवा विरोधी भाजपा के विरुद्ध युवा-शक्ति की एकता की जीत है। जिन भर्ती हुए शिक्षकों ने अपने घर-परिवार और बाकी सामान के लिए नौकरी की निरंतरता की उम्मीद पर कुछ लोन लिया था तो क्या अब ये सरकार उनके घरों और सामानों को कब्जे में लेने की साजिश कर रही है। ये निहायत शर्मनाक कृत्य है कि भाजपा परिवारों को दुख-दर्द देकर सत्ता की धींस दिखाना चाहती है।



समिति आदि संगठनों ने नाराजगी जताई है। विभिन्न संगठनों के भारत बंद के आह्वान का इन संगठनों ने समर्थन किया है। इसी के चलते आज सभी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंच कर जिलाधिकारी को ज्ञापन देने की तैयारी की है। बंद और प्रदर्शन को देखते हुए आज सुबह से ही सुरक्षा के मददेनजर पुलिस अधिकारी भी सतर्क हैं। सहारनपुर में भीम आर्मी जय भीम के कार्यकर्ताओं ने निकाला जुलूस- सहारनपुर में बेहट थानाक्षेत्र में भीम आर्मी जय भीम के कार्यकर्ताओं ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजीत सिंह के नेतृत्व में एससी/एसटी आरक्षण में वर्गीकरण के विरोध में जुलूस निकाला। भीम आर्मी, जय भीम के कार्यकर्ता कस्बे के मोहल्ला खालसा स्थित संत रविदास मंदिर परिसर में इकट्ठा

हुए। इसके बाद जुलूस के रूप में हाईवे से होते हुए तहसील मुख्यालय पहुंचे और यहां से जिला मुख्यालय के लिए रवाना हो गए। बसपा और भीम आर्मी कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन- मुजफ्फरनगर में आरक्षण के मुद्दे को लेकर बसपा और भीम आर्मी कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। शहर में जगह-जगह पुलिस तैनात की गई है। बाजार पर बंद बेअसर है। बुधवार दोपहर को भीम आर्मी कार्यकर्ता शहर के महावीर चौक और प्रकाश चौक से होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां पर जोरदार प्रदर्शन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि इस फैसले को खारिज किया जाना चाहिए। यह अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के संवैधानिक अधिकारों के लिए खतरा है। घंटाघर पर लगाया जाम, नियंत्रण से बाहर हुई भीड़

-सहारनपुर जनपद में बहुजन समाज पार्टी का कार्यक्रम बसपा कार्यालय से चलकर घंटाघर को होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचने का था, लेकिन घंटाघर पहुंचने के बाद भीड़ बसपा नेताओं के नियंत्रण से बाहर हो गई। जिला अध्यक्ष दशरूप प्रसाद और मंडल अध्यक्ष नरेश गौतम बार-बार भीड़ से कलेक्ट्रेट चलने के लिए कहते रहे, लेकिन भीड़ नहीं मानी। यही वजह रही कि काफी देर तक घंटाघर पर जाम और धरना प्रदर्शन होता रहा। उधर, भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया। मुजफ्फरनगर में समाजवादी पार्टी ने बंद का समर्थन किया है। जिला अध्यक्ष जिया चौधरी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की। वाराणसी में दिखा भारत बंद

का असर, अंबेडकर पार्क से कलेक्ट्रेट तक निकाली गई रैली भारत बंद का असर वाराणसी में भी देखने को मिला। यहां नेता और प्रतिनिधियों ने जमकर नारेबाजी की। इस दौरान पुलिस व प्रशासन की टीम अलर्ट मोड पर रही। वाराणसी जिले में भारत बंद का असर देखने को मिला। बसपा के नेता और प्रतिनिधियों ने अंबेडकर पार्क पर एकत्रित होकर नारेबाजी की और कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली। इस दौरान पुलिस फोर्स तैनात रही। बुधवार को शहर सहित जिले भर में भारत बंद का असर देखने को मिला। लोग हाथों में झंडे लेकर एकत्रित हुए और नारेबाजी की। बंद को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। बाजारों में दुकानें बंद हैं, जिसके चलते पूरे क्षेत्र में सन्नता पसरा हुआ है। जो दुकान खुली हुई हैं आंदोलनकारी उन्हें बंद करवा रहे हैं।

## बदलापुर में बच्चियों के यौन शोषण का केस: संजय राउत ने शिंदे सरकार को घेरा, 24 अगस्त को महाराष्ट्र बंद का एलान

राकांपा-एसपी नेता सुप्रीया सुले ने इस घटना पर प्रतिक्रिया दी और राज्य की मौजूदा स्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए कहा कि राज्य में अपराध बढ़ गया है। महाराष्ट्र में बदलापुर के एक स्कूल में बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न के मामले में अब जबरदस्त बवाल शुरू हो गया है। यह मामला अब राजनीतिक रुख ले चुका है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने इस मामले में प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सुरक्षा के मामले में महाराष्ट्र सरकार को घेरा। संजय राउत ने इस घटना को एक जाने पर उन्होंने मुख्यमंत्री महाराष्ट्र बंद का एलान भी के विरोध में महाराष्ट्र सरकार महाराष्ट्र में अपराध बढ़ गया साथ अपराधों की संख्या में हो सकता है? बलात्कार के के लिए, न्याय मांगने के लिए सरकार) उनके खिलाफ हुआ वो किसकी है? लोग दर्ज नहीं कर रही थी। पुलिस कि वे बदलापुर क्यों नहीं गए? बोलते हो लेकिन महाराष्ट्र में है, लोग सड़क पर बैठे करने के लिए आए थे। फिर हमने सोचा कि हम सीट बंटवारे पर चर्चा नहीं करेंगे हम अब राज्य की कानून व्यवस्था पर चर्चा करेंगे। महाराष्ट्र की जनता में आक्रोश है और इसका विरोध करने वालों पर एफआईआर दर्ज की जाएगी। हमने तय किया कि 24 अगस्त को महाविकास अघाड़ी (एमवीए) महाराष्ट्र बंद का आह्वान करेगा। राकांपा-एसपी नेता सुप्रीया सुले ने इस घटना पर प्रतिक्रिया दी और राज्य की मौजूदा स्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी किया। सुप्रीया सुले ने कहा, महाराष्ट्र में अपराध बढ़ गया है। यह मैं नहीं कह रही हूँ। यह सरकार का डाटा बता रहा है। चाहे वह पोशं मामला हो या फिर ड्रग्स मामला। महाराष्ट्र में महिलाओं के के खिलाफ अपराध ज्यादा बढ़ गया है। बदलापुर की घटना संवेदनशील है। जिस तरह से इसे नजरअंदाज किया जा रहा है, वह दर्दनीय है। जब लोग सड़कों पर आए, तब सरकार जागी। लोकसभा चुनाव के बाद बहनें सरकार के लिए लाड़की बन गई और मुख्यमंत्री लाड़की भीन योजना के लिए 1500 रुपये देना शुरू कर दिया। मैंने आपके चैनलों में देखा, महिलाएं कह रही हैं कि उन्हें सरकार के 1500 रुपये नहीं चाहिए। हम उन्हें दो हजार रुपये देंगे, लेकिन हमारी बहनों को सुरक्षित रखें। महाराष्ट्र बंद का समर्थन करते हुए राकांपा-एसपी नेता जीतेन्द्र अह्मद ने कहा, बदलापुर घटना के विरोध में प्रदर्शन करने वाले 300 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यह एक असंवैधानिक सरकार है। अपराधी बढ़ते जा रहे हैं और इसके लिए महाराष्ट्र बंद जरूरी है।



## मायावती बोलीं- आरक्षण से कोई खिलवाड़ न करें विपक्षी दल, ये डॉ. अंबेडकर के अनवरत प्रयासों का नतीजा

बसपा सुप्रीमो मायावती ने भारत बंद का समर्थन करते हुए कहा है कि विपक्षी दल आरक्षण के साथ कोई खिलवाड़ न करें। ये डॉ. अंबेडकर के अनवरत प्रयासों का नतीजा है। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय मुख्यालय में आयोजित बैठक में मायावती ने कहा कि एससी-ओबीसी समाज आरक्षण का डॉ. अंबेडकर के का नतीजा है, अनिवार्यता और भाजपा, कांग्रेस समझकर कोई



अध्यक्ष एवं पूर्व मायावती ने कहा एसटी के साथ को भी मिला संवैधानिक हक अनवरत प्रयासों जिनके 1 संवेदनशीलता को व अन्य पार्टियां खिलवाड़ न

करें। बुधवार को सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा, कांग्रेस आदि दल आरक्षण के खिलाफ साजिश रच रहे हैं और इसे निष्प्रभावी बनाते हुए खत्म करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एससी-एसटी आरक्षण में उप-वर्गीकरण के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर इन वर्गों में आक्रोश है। इन वर्गों के द्वारा आज भारत बंद के तहत सरकार को ज्ञापन देकर संविधान संशोधन के जरिए आरक्षण में हुए बदलाव को खत्म करने मांग की जा रही है। इसका बसपा ने भी समर्थन किया है और बंद में बिना किसी हिंसा के अनुशासित व शांतिपूर्ण तरीके से शामिल होने की अपील की है।

## सरकार को बदनाम करने की साजिश, बाहरी थे प्रदर्शनकारी, बदलापुर विरोध प्रदर्शन पर बोले सीएम शिंदे

मीडिया से बात करते हुए सीएम शिंदे ने विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि राज्य मंत्री गिरीश महाजन ने प्रदर्शनकारियों की सभी मांगों पर सहमति जताई, लेकिन वे फिर भी नरम पड़ने को तैयार नहीं हैं। इसका मतलब है कि वे सरकार को बदनाम करना चाहते थे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को दावा किया कि ठाणे जिले के बदलापुर में दो बच्चियों के कथित यौन शोषण को लेकर हुआ विरोध प्रदर्शन राजनीति से प्रेरित था और इसका उद्देश्य राज्य सरकार को बदनाम करना था। उन्होंने यह



भी कहा कि अधिकांश प्रदर्शनकारी बाहरी थे। मीडिया से बात करते हुए सीएम शिंदे ने विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि इस घटना पर राजनीति करने वालों को शर्म आनी चाहिए। बदलापुर शहर में मंगलवार को विशाल पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुआ। दरअसल पिछले सप्ताह एक स्कूल में पुरुष परिचारक द्वारा दो बच्चों का यौन शोषण किया गया था। जैसे ही इसकी जानकारी लगी तो गुस्साए अभिभावकों, स्थानीय निवासियों और अन्य लोगों ने मंगलवार को रेलवे ट्रैक जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने स्कूल में तोड़फोड़ भी की। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना रहा और इसके चलते बदलापुर में अफरा-तफरी के हालात रहे। अब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि बदलापुर में विरोध प्रदर्शन राजनीति से प्रेरित था, क्योंकि प्रदर्शनकारी स्थानीय निवासी नहीं थे। विरोध प्रदर्शन में शामिल स्थानीय निवासियों की संख्या उंगलियों पर गिनी जा सकती है। उन्होंने कहा कि राज्य मंत्री गिरीश महाजन ने प्रदर्शनकारियों की सभी मांगों पर सहमति जताई, लेकिन वे अभी भी नरम पड़ने को तैयार

नहीं हैं। इसका मतलब है कि वे सरकार को बदनाम करना चाहते थे। सीएम ने कहा कि, कुछ प्रदर्शनकारियों ने लड़की बहन योजना का उल्लेख करते हुए तख्तियां ले रखी थीं, जो महिलाओं के लिए उनकी सरकार की प्रमुख वित्तीय सहायता योजना है। तख्तियों पर लिखा था कि उन्हें 1,500 रुपये की मासिक राशि नहीं चाहिए, बल्कि अपनी लड़कियों के लिए सुरक्षा चाहिए। सीएम ने उठाया सवाल- क्या कोई इस तरह विरोध करता है? इस योजना के कारण विपक्ष को जो पेट दर्द हो रहा है, वह कल के विरोध प्रदर्शन से स्पष्ट है। विरोध प्रदर्शन के दौरान बदलापुर रेलवे स्टेशन और शहर के अन्य स्थानों पर पथराव की घटनाओं में रेलवे पुलिस सहित कम से कम 25 पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने हिंसा के सिलसिले में कम से कम 72 लोगों को गिरफ्तार किया है और चार प्राथमिकी दर्ज की हैं।

संपादकीय Editorial

Election of farmers, unemployment

Farmers and unemployment can prove to be decisive election issues in Haryana. The Haryana unit of the United Kisan Morcha has decided to discuss the legal guarantee of Minimum Support Price (MSP), Central Agricultural Price Commission, which decides the MSP, the demand for a memorial for the 736 farmers killed during the farmers' movement and other related matters. These are not any recognized farmers' organizations. The central and state governments have been continuously discussing MSP at their level. It is a different matter that at present no conclusion is in front. Now whatever be the conclusion of the farmers' discussion, but it can decide the direction of the assembly elections in Haryana. Haryana Chief Minister Naib Singh Saini recently addressed a rally in Kurukshetra, in which a guarantee was given regarding MSP that the government will buy crops only on MSP. The United Kisan Morcha rejected that guarantee. Farmers are demanding a legal guarantee of MSP at the national level, so talks have been going on with the Union Ministers. The Central Government itself had formed a committee, whose decisions are yet to be made public. The purchase of crops from Haryana is limited and only Haryana farmers will be given priority. Kisan Morcha has termed the Chief Minister's guarantee as an 'election stunt'. Farmers claim that the new MSP announced by Chief Minister Saini will cause them a loss of Rs 3851 crore. It is not clear on what basis this figure of loss has been decided. However, Haryana was not relatively active in the farmers' movement and neither did the farmer leaders get any political success after the movement. The farmer leaders who contested elections in Punjab and Haryana were defeated and their deposits were also forfeited. Jats constitute the highest population in Haryana, around 24 percent. They are mostly associated with farming. Their support is divided between BJP, Congress, INLD, JJP etc. Despite the anti-incumbency wave, BJP won 5 Lok Sabha seats and 5 seats went to Congress. Even now this direct contest will remain, because other parties have become very weak or have disintegrated. Still this election will not be easy. There is a tremendous wave against the BJP government and party in Haryana. This wave can also be felt within the party. The BJP leadership had read it before the Lok Sabha elections, so the then Chief Minister Manohar Lal Khattar was removed and Nayab Singh Saini was made the Chief Minister. He has been the Chief Minister since March 12, 2024. Nayab Saini started his government's campaign with a 'Non Stop' banner. Full page advertisements were printed in newspapers and claims were made that Haryana is now 'Non Stop' in every field. MSP was also mentioned. It was challenged by the Congress faction of former Chief Minister Bhupendra Singh Hooda, whose slogan is 'Haryana Maange Hisaab'. There is also a faction led by Shailja in the Congress and the high command has not been able to end this factionalism. Although issues like unemployment, farmer-crisis and stagnant, stagnant, stagnant economy have been well known in Haryana, but with the assembly elections coming, the opposition has heated them up. According to the data of the Center for Monitoring Indian Economy, Haryana has the highest rate of unemployment, while the government data is exactly the opposite and it considers Haryana to be at the fourth place in terms of unemployment. The industrial activities of the state are limited and employment is affected.

Classification of reservation is the need of the hour, Supreme Court's decision is revolutionary in many ways

On the subject of scheduled castes opposing sub-classification, the Chief Justice said that their 'attitude' is like a person sitting in the general compartment of a train. First, people outside the compartment struggle to get inside. Once they reach inside, they make every possible effort to prevent people from outside from entering it. The Supreme Court has put an end to the debate on reservation classification in Scheduled Castes and Scheduled Tribes, which was going on for a long time, through its decision. The Constitution Bench of seven judges of the Supreme Court headed by the Chief Justice said in a 6:1 majority decision that the President has given permission to the states to sub-classify the Scheduled Castes and Scheduled Tribes notified in the list, so that they can be given 'more' preference in public employment and education. This decision will prove to be revolutionary in many ways, because within the deprived sections of the country, many types of social communities such as workers, skilled, artisans and gardeners etc. have been vocal for a long time to correct the policies and politics of social justice, but those communities are invisible in society and politics. Therefore, their voices are not able to reach the Parliament of the country. This will also strengthen those voices and they can be considered. In the year 2004, a five-member bench of EV Chinaiya of the Supreme Court had banned classification under Scheduled Castes and Scheduled Tribes, while in this decision the Chief Justice said, 'Article 341 (2) does not create a unified homogeneous class. Historical and empirical evidence shows that Scheduled Castes are socially heterogeneous classes. Thus, the state can further classify Scheduled Castes by exercising power under Articles 15 (4) and 16 (4).' On the subject of Scheduled Communities opposing sub-classification, the Chief Justice said that their 'attitude' is like that of a person sitting in the general compartment of a train. First, people outside the compartment struggle to get in. Once they are inside, they make every effort to prevent outsiders from entering. The debate on classification is being derailed by many misleading arguments against reservation classification, while we also need to look at the decision in such a way that the Supreme Court has deepened the search for justice by bringing to the fore the concerns of the least privileged communities at the bottom of the caste hierarchy. The opposing stance is creating distrust for them among the most deprived sections of their own class, while those taking an opposing stance should think that this will further strengthen their fight against the unconstitutional system, because they will also find those people standing with them, who till now were not seen standing with them in their campaign, the main reason for which was that they were not able to become a part of the main system. Scheduled castes are very active socio-politically in different states. For example, Maharashtra includes more than three dozen castes, but Mahar and Matang are the most prominent. Their literacy rate is comparatively high. Gond and Bhil are the two largest tribes among the Scheduled Tribes, while Rajasthan has a total of 59 Scheduled Castes in its state list, but Meghwal is the largest Scheduled Caste community, whose socio-political status is better than others. Meena is the most prominent tribe among the Scheduled Tribes, influencing the election results in dozens of assembly seats. The community has a significant presence in the police and bureaucracy across the country. Jatav, Pasi and Dusadh are the most prominent and socio-politically active castes in Uttar Pradesh and Bihar, while dozens of castes like Musahar, Sapera, Bahelia, Kalabaz, Valmiki and Badwal are in a very weak position in these states. Justice BR Gavai said, 'The ground reality of inequalities within the beneficiary groups is so clear that it cannot be ignored. He said that treating the child of a bureaucrat and a manual labourer alike, even if both are from the Scheduled Caste community, will defeat the constitutional mandate. 'Social justice and classification of reservation is such an issue that if it is not constantly revised, it will create a new casteism. Therefore, the current reservation system should be divided into more than two categories on the basis of empirical data and separate quotas should be determined for each sub-group on the basis of their share in the population. The voices rising from within the backward classes also need to be recognised, so that classification of reservation can be done at the central level.

Three years of Taliban misrule, a nightmare for the Afghan people

The Taliban government is yet to be recognised by the international community, making it difficult for it to establish formal diplomatic relations and access international financial systems. Afghanistan is heavily dependent on foreign aid, which has declined significantly since the Taliban came to power. Sanctions, especially those imposed by the US, have further affected the country's economy. It has been three years since the Taliban returned to power in Afghanistan, but during this time they have failed miserably on many fronts. The Taliban regime has been known for its suppression of women, deteriorating relations with neighbouring Pakistan and futile struggle for international recognition. Not only this, the Taliban rule is like a nightmare for the Afghan people. The Taliban regime in Kabul has faced significant challenges, which have exposed the limitations of its governance model. Its ability to resolve these issues will determine the future stability of Afghanistan and the longevity of the Taliban in power. International isolation, economic crisis, security risks and internal divisions are the key hurdles that the Taliban will have to deal with in the coming years. Various challenges have put their governance and political legitimacy to test since they captured Kabul in August 2021. Even after three years in power, the Taliban continue to face several key issues. The Taliban government is yet to be recognised by the international community, making it difficult for it to establish formal diplomatic relations and access international financial systems. Afghanistan is heavily dependent on foreign aid, which has reduced significantly since the Taliban came to power. Sanctions, especially those imposed by the US, have further impacted the country's economy. The Taliban's restrictive policies on women's rights, especially the ban on education for girls after a certain age, have been widely condemned, which has isolated the regime from the global community. It has also led to domestic unrest and discontent. The Taliban's imposition of strict Sharia law has raised concerns of human rights abuses, including public executions and amputations. These practices have been criticized globally and have led to fear and resentment among the Afghan population. The Afghan economy has declined sharply, with the currency losing value and inflation rising. The banking system is on the verge of collapse and the country is facing severe cash shortages. Widespread unemployment and poverty have led to a humanitarian crisis. Many Afghans are unable to afford basic needs and food insecurity is rampant. The Islamic State Khorasan Province (ISIS-K) remains a persistent threat, carrying out deadly attacks across the country. These attacks have raised questions about the Taliban's security capability. There are also divisions within the Taliban, with different factions vying for power. These divisions can lead to infighting and destabilize their control. Afghanistan is a major producer of opium, and the Taliban have been accused of profiting from the drug trade. This has also attracted international scrutiny and sanctions. Although the Taliban have vowed to curb opium production, the illicit economy continues to thrive. The Taliban's relations with Pakistan have been strained, particularly over border issues and the presence of the Pakistani Taliban (TTP) in Afghanistan. Similarly, relations with Iran are complicated by sectarian differences and water disputes. The Taliban have tried to build ties with China and Russia, but both have strategic interests in Afghanistan. Hence, there is skepticism about long-term commitments. Although no Arab country has recognised the Taliban yet, they have engaged pragmatically with the Taliban regime, balancing regional stability concerns with humanitarian aid efforts. Afghanistan faces one of the world's worst humanitarian crises, with millions facing hunger and a collapsing healthcare system. The Taliban is dependent on international aid organisations to address these issues. Many Afghans have fled to neighbouring countries or to Europe. This brain drain has further weakened the country's prospects for reform. The Taliban's centralised governance model concentrates power in the hands of a few leaders, leading to inefficiency and corruption. This has made it difficult to effectively implement policies across the country. India's relationship with the Taliban is complex and India is treading cautiously. India has supported democratic governments in Afghanistan and is concerned about the Taliban's ties with Pakistan-based terror groups. However, New Delhi has carefully maintained ties with the Taliban, focused on protecting its interests, including investing in Afghanistan's infrastructure projects. India's involvement is limited by a desire to balance Pakistan's influence in Afghanistan. Taliban rule has pushed Afghanistan back into the dark ages, with women bearing the brunt of their repressive policies. The Taliban have struggled to gain international recognition. The inability of the Taliban to do so has left the country isolated and economically weak. Their relations with Pakistan, which once supported the Taliban, have also deteriorated, adding to the troubles. Overall, the Taliban is struggling for legitimacy, but its rule remains a symbol of tyranny and failure. The world is watching as Afghanistan sinks into chaos and despair under Taliban rule, and there is no hope for a better future. The international community must stand in solidarity with the Afghan people, especially women, who have borne the brunt of this brutal regime. The inability of the Taliban to do so has left the country isolated and economically weak. Their relations with Pakistan, which once supported the Taliban, have also deteriorated, adding to the troubles. Overall, the Taliban is struggling for legitimacy, but its rule remains a symbol of tyranny and failure. The world is watching as Afghanistan sinks into chaos and despair under Taliban rule, and there is no hope for a better future.

## भारत बंद का बाजार पर कोई असर नहीं, अधिकांश दुकानें खुली...आंबेडकर पार्क बना शक्ति प्रदर्शन का केंद्र

मुरादाबाद। आरक्षण को लेकर भारत बंद का महानगर के बाजारों पर कोई असर नहीं दिख रहा है। टाउनहाल, हरथला, गुरहट्टी, कांठ रोड पर अधिकांश दुकानें रोज की तरह खुली हैं। भारत बंद के



समर्थन में शक्ति प्रदर्शन का केंद्र सिविल लाइंस स्थित आंबेडकर पार्क बना है। यहां बहुजन समाज पार्टी, समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ जुटी है। किसी भी



अनहोनी से निपटने के लिए पुलिस प्रशासन के अधिकारी जुटे हैं।कांठ रोड पर तहसील तिराहे पर बैरिकेडिंग कर पुलिस ने कार, आटो, ई-रिक्शा और अन्य बड़े वाहनों को रोक रही है। वहीं सिविल लाइंस के चारों ओर से बैरिकेडिंग कर पुलिस कानून व्यवस्था बनाने में पसीना बहा रही है। आंबेडकर पार्क में बसपा के मंडल कोआर्डिनेटर रणविजय सिंह, जिलाध्यक्ष सुनील आजाद और बहुजन समाज से जुड़े अन्य संगठनों के कार्यकर्ताओं की संख्या बाबा साहब के संविधान की रक्षा की हुंकार भर रही है। इनका कहना है कि आरक्षण किसी की कृपा से नहीं मिला है यह संविधान में दिया गया अधिकार है, इसको छीनने या खत्म करने की हर कोशिश का हर स्तर पर विरोध करेंगे।

## मुरादाबाद में तमंचे के बल पर जनसेवा केंद्र संचालक को लूटा, 1.50 लाख रुपए और लैपटॉप छीन ले गए बदमाश

मुरादाबाद- थाना कटघर क्षेत्र में बदमाशों ने तमंचे के बल पर जनसेवा केंद्र संचालक से डेढ़ लाख रुपये लूट लिए। युवक दुकान बंद करके वापस घर लौट रहा था। इसी दौरान बदमाशों ने वारदात को



अंजाम दिया। इस मामले में पुलिस ने एक चोर को दबोच लिया है। वहीं अन्य की तलाश में जुटी है। कटघर थाना क्षेत्र के सैफपुर पल्ल निवासी राहुल ने बताया है कि उनका जैतिथा मोड़ पर जनसेवा केंद्र है। वह मंगलवार शाम 7.30 बजे दुकान बंद करके घर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान दो बाइकों पर सवार चार बदमाश उसका पीछा करने लगे। घर से थोड़ी दूरी पर गैस प्लांट के निकट चारों बदमाशों ने बाइक रुकवा ली और बैग छीनने लगे। राहुल के विरोध करने पर तमंचा कनपटी पर रख दिया। बैग छीनकर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। राहुल ने तत्काल पुलिस को सूचान दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी की तलाश कर एक को दबोच लिया। राहुल ने बताया कि बैग में 1.50 लाख रुपये की नकदी समेत लैपटॉप व अन्य दस्तावेज थे। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। वहीं बाकी की तलाश में जुटी है। पूरी घटना को लेकर पुलिस का क्या कहा?- थाना प्रभारी संजय कुमार का कहना है कि लूट की घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचकर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, उससे पूछताछ की जा रही है। साथ ही बाकी आरोपी की तलाश में टीम गठित कर दबिशा दी जा रही है।

## भारत बंद को लेकर पुलिस अलर्ट, सभी चौराहों पर बैरिकेडिंग

मुरादाबाद। बुधवार को भारत बंद के ऐलान के बाद जनपद में पुलिस अलर्ट हो गई है। बुधवार की सुबह से ही महानगर के सभी चौराहों पर बैरिकेडिंग कर दिया गया है। कलेक्ट्रेट जाने वाले रास्तों पर



भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। भारत बंद आंदोलन के तहत सिविल लाइंस चौराहे पर की गई बैरिकेडिंग और तैनात पुलिस फोर्स। भारत बंद को बसपा सहित अन्य कई संगठनों का मिल रहा है समर्थन, बड़ी संख्या में सपा के कार्यकर्ता भी हो रहे हैं शामिल- पुलिस की सुरक्षा चाक चौबंद, जगह-जगह बैरिकेडिंग लगा कर भीड़ को किया जा रहा नियंत्रित- सिविल लाइन स्थित आंबेडकर पार्क पर इकट्ठा हो रहे लोग, हजारों प्रदर्शनकरियों के पहुंचने की संभावनामहानगर डिटी गंज चौराहा, महिला थाना चौराहा, सिविल लाइंस चौराहा, पीलीकोठी चौराहा, जेल रोड, कंपनी बाग, आंबेडकर पार्क, कलेक्ट्रेट तिराहा समेत अन्य स्थानों पर बैरिकेडिंग कर दिया गया है। सभी पुलिस चेकिंग कर रही है। सुबह के समय आंदोलन में जा रहे कई लोगों की आंबेडकर पार्क जाने से रोकने को लेकर पुलिस से नोकझोंक भी हुई। वहीं महानगर के बाजारों में भारत बंद का असर सुबह में कहीं भी नहीं दिख रहा है।

## ऑनलाइन रिपोर्टिंग बंद, काली पट्टी बांधकर कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स का प्रदर्शन

मुरादाबाद- कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर ( सीएचओ ) इन दिनों आंदोलन पर हैं। 14 अगस्त से अटेंडेंस मैनेजमेंट सिस्टम ( एएमएस ) पर हाजिरी नहीं दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि इनकी हाजिरी में थोड़ा परिवर्तन किया गया है। बदलाव के बाद अब इनकी हाजिरी में आंख का रेटिना स्कैन होने पर उपस्थिति दर्ज होती है। इसी बात का ये लोग विरोध कर रहे हैं। इसी क्रम में ये लोग तैनाती स्थल पर बुधवार को काली पट्टी बांधकर ड्यूटी पर हैं। लेकिन, वह न ऑनलाइन रिपोर्टिंग कर रहे हैं और न ही हाजिरी दे रहे हैं। उप एसोसिएशन ऑफ कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स के पूर्व प्रदेश महामंत्री मुकेश चौधरी और जिलाध्यक्ष जितेंद्र सिंह का कहना है कि जिले में 255 हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर है, जो 5,000 से लेकर 10,000 तक की आबादी क्षेत्र पर प्रत्येक सेंटर स्थापित है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में नेटवर्किंग की इतनी अधिक समस्या है कि ऑनलाइन पोर्टल पर काम करना तक मुश्किल रहता है। अब हाजिरी के लिए अटेंडेंस मैनेजमेंट सिस्टम ( एएमएस ) बदलाव कर दिया गया है। हाजिरी में आंख का रेटिना स्कैन होने पर उपस्थिति दर्ज होती है। इसी बात का ये लोग विरोध कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनकी अन्य मांगों में वेतन विसंगति और स्थानांतरण के बिंदु भी शामिल हैं। एएमएस पोर्टल पर हाजिरी से लेकर नियमितीकरण, समान वेतन, ईएल की व्यवस्था, स्वेच्छिक स्थानांतरण से संबंधित मांगे हैं। जिनके लिए वह आंदोलन शुरू किए हैं। जिलाध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने बताया कि उनके संगठन की तरफ से 17 अगस्त को मुख्यमंत्री को संबोधित मांग पत्र प्रांतीय इकाई ने दिया था। इसमें स्पष्ट किया था कि यदि उनकी मांगे 20 तक पूरी न हुईं तो वह लोग आंदोलन को विवश होंगे। इसलिए अब बुधवार से वह लोग ऑनलाइन स्ट्राइक कर रहे हैं और ड्यूटी पर आकर बांह में

## आंख के रेटिना स्कैन होने पर हाजिरी का विकल्प जुड़ने से नाराज हुए कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर



काली पट्टी बांधकर बैठे हैं। वह लोग आज से किसी भी ऑनलाइन पोर्टल पर काम नहीं करेंगे। यह क्रम 27 अगस्त तक जारी रहेगा, इसके बाद काली पट्टी बांधकर भी ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार करते रहेंगे। उप मुख्यमंत्री के आवास को घेरेंगे, देंगे धरना- उप एसोसिएशन ऑफ कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स के पूर्व प्रदेश महामंत्री मुकेश चौधरी ने कहा कि चेतावनी के बाद भी यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो 28 अगस्त की सुबह से स्वास्थ्य मंत्री/उप मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की निदेशक के आवास पर अनिश्चितकाल के लिए धरना देंगे। दरअसल, जिले में 255 सीएचओ तैनात हैं। इनमें से 253 क्रियाशील हैं, जो आंदोलन की राह पकड़ लिए हैं। ये लोग ड्यूटी पर जा रहे हैं लेकिन, हाजिरी नहीं दे रहे हैं। इनकी नाराजगी से किट के माध्यम से डेंगू, मलेरिया, शुगर, फाइलेरिया आदि 14 प्रकार की जांच और विभिन्न योजनाओं के आंकड़े जो पोर्टल पर दर्ज किए जाते हैं, यह कार्य बाधित होने लगा है। इससे रोगियों व ई-संजीवनी, यूडीएसपी पोर्टल ( डेंगू, मलेरिया आदि की जांच के आंकड़े ) भी प्रभावित होगा

और स्टेट की रेटिंग पर असर पड़ेगा। इनके आंदोलन से स्वास्थ्य विभाग में पेशानी बढ़ी है। एनएचएम के जिला कार्यक्रम प्रबंधक रघुवीर सिंह भी सीएचओ के कार्य न करने से चिंतित दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीएचओ ऑनलाइन पोर्टल पर 14 अगस्त से लगातार अनुपस्थित चल रहे हैं। सीएचसी का कहना है कि उन्हें 25,500 रुपये की जगह पर 20,500 रुपये मानदेय मिल रहा है, जो कि गलत है। इन सभी की आज से ऑनलाइन रिपोर्टिंग बंद - स्वास्थ्य कर्मियों के कार्य बहिष्कार के बाद से ऑनलाइन सेवाएं बंद हो गई हैं। टेलीकॉन्सलेशन, ऑनलाइन हाजिरी पोर्टल, हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर ( एचडब्ल्यूसी ) पोर्टल, औषधि एवं टीका वितरण एवं प्रबंधन प्रणाली ( डीवीडीएमएस ), ई-कवच, निक्षय-एप, यूनीफाइड डिजिटल सर्विलांस पोर्टल ( यूडीएसपी ), लैब पोर्टल, एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम ( आईडीएसपी ) पोर्टल, स्वास्थ्य मेला एंटी, ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस ( वीएचएसएनडी ) आदि की ऑनलाइन रिपोर्टिंग बंद हो गई है।

## संक्षिप्त समाचार

## सख्त छवि के तेजतर्रार अधिकारी हैं आंजनेय कुमार सिंह, कई कार्यों से दिखाई अपनी प्रशासनिक क्षमता

मुरादाबाद- सिक्रिम कैडर के वरिष्ठ आईएएस आंजनेय कुमार सिंह ने मुरादाबाद के मंडलायुक्त रहने के अलावा रामपुर में जिलाधिकारी के पद पर रहते हुए अपनी तेजतर्रार कार्यशैली से अलग छवि बनाई है। केंद्र सरकार के द्वारा मंगलवार एक बार उन्हें एक यूपी कैडर में दिया को उनका हुआ था, जिसके को पदभार सौंप मुरादाबाद के मंडलायुक्त के पद पर रहते हुए आंजनेय कुमार सिंह ने स्मार्ट सिटी की परियोजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू कराने के अलावा जन सरोकार से जुड़ी हर गतिविधियों को प्राथमिकता दी। प्रशासनिक कार्यों में उनकी रूचि के कारण ही कई कार्य पूरे हुए। रामपुर में जिलाधिकारी रहने के दौरान उन्होंने कई कड़े निर्णय लिए थे। 14 अगस्त को उनकी प्रतिनियुक्ति समाप्त होने पर उन्होंने अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया लेकिन, संभावना जताई जा रही थी कि उन्हें फिर एक्स्पेंशन मिलेगा और हुआ भी वहीं। केंद्र सरकार की ओर से उन्हें एक बार फिर एक साल का विस्तार यूपी कैडर में दे दिया गया है। जिसका आदेश मंगलवार को जारी हुआ। इससे उनकी प्रशासनिक छवि के कायल लोगों में एक बार खुशी है। उम्मीद है कि उनके रहते आगामी विधानसभा का उपचुनाव जिले के कुंदरकी सीट पर निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से होगा। उन्होंने भूमाफिया के खिलाफ कार्रवाई कराई तो गोवंश संरक्षण और संवर्धन को भी पूरी प्राथमिकता दी।

## युवती के साथ दुकान में घुसकर छेड़छाड़, सामूहिक दुष्कर्म का प्रयास

मुरादाबाद- सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में युवती के साथ दुकान में घुसकर दो युवकों ने दुष्कर्म का प्रयास किया। विरोध करने पर युवक जबरन उसे कमरे में खींच ले गए। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। कोर्ट के आदेश पर घटना के 10 माह बाद पुलिस ने दोनों आरोपी युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना क्षेत्र निवासी युवती ने दी तहरीर में बताया है कि उसकी घर में ही परचून की दुकान है। कॉलोनी के ही रहने वाले नईम अहमद और शहजाद दुकान पर आकर उसके साथ अश्लील हरकतें करते थे। आरोप है 12 नवंबर 2023 को युवती दुकान पर बैठी थी। इसी दौरान दोनों युवक उससे छेड़छाड़ करने लगे। विरोध करने पर दुकान में घुसकर जबरदस्ती करने लगे। आरोप है दोनों ने मिलकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म का प्रयास किया। शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। उसी समय घर वाले उसे थाने ले गए। लेकिन, कोई सुनवाई नहीं हुई। 10 माह तक पीड़िता थाने के चक्कर काटती रही। किसी ने सुनवाई नहीं की। 10 माह बाद कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## पिता ने लगाया अपने बेटे पर मारपीट का आरोप पुलिस से की शिकायत

क्यूँ न लिखूँ सच -सिकंदर राजा  
मुरादाबाद थाना सिविल लाइन क्षेत्र चंदन नगर के रहने वाले पीड़ित मिश्रीलाल का आरोप है कि मुझे और मेरे बहनोई जिनका नाम रमेश है हम दोनों को मेरे बेटे ने मारा पीटा है उनका कहना है कि हम दोनों अपने घर में बैठे थे और खाना खा रहे थे तभी मेरा बेटा जिसका नाम जसवंत है वे आया और आते ही हम दोनों के साथ मारपीट करने लगा पीड़ित का आरोप है कि मैंने इसकी शिकायत रेल चौकी में की लेकिन पुलिस ने कोई सुनवाई नहीं की फिलहाल इस पूरे प्रकरण में पीड़ित ने मुरादाबाद सिविल लाइन थाने में पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज कराई है फिलहाल पीड़ित मुरादाबाद सीएमओ कार्यालय में ड्राइवर के पद पर तेनाद है

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा एचएचओप्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

# गांव में शव आते ही गमगीन हुआ माहौल, एक ही परिवार के चार लोगों की उठीं अर्थियां, नम हुई हर आंख

धाम यात्रा के दौरान सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। गांव में शव आते ही माहौल गमगीन हो गया। बागेश्वर धाम यात्रा के दौरान एक ही परिवार के चार लोगों की सड़क हादसे में हुई मौत के बाद शव गांव पहुंचे। बूढ़े पिता के दो जवान बेटे, पत्नी और पुत्र वधु एक साथ चार अर्थियां गांव से निकलीं। ऐसी दुखद घड़ी में आंखों में आंसू, दिल में दर्द और जुबां खामोश थी। गांव नरैनामऊ निवासी मनोज श्रीवास्तव सबसे छोटा भाई गोविंद ( 30 ), जनपद टेंपो से बागेश्वर धाम यात्रा पर जा रहे थे। गई। साला घायल हो गया। छतरपुर में पहुंचे, तो घर में माहौल गमगीन हो गया। बंधाने पहुंचे। इससे गांव में भारी भीड़ जमा इंसपेक्टर रामअवतार, नायब तहसीलदार को सत्त्वना दी। मौजूद रिश्तेदारों ने मां गुहार की। एसडीएम ने हर संभव मदद शव ले जाने के लिए चार ट्रैक्टरों की वहां मौजूद लोगों की चीत्कार सुनकर पिता का साया- बागेश्वर धाम यात्रा के पत्नी मनु की मौत से उनके चार बच्चे सिर से माता पिता का साया उठ गया। मनोज रेलवे क्रासिंग के पास सैलून की दुकान चलाकर बच्चों का पालन-पोषण करते थे। छोटे भाई गोविंद की पत्नी रचना बुरी तरह बिलख रही थी। उनके एक पुत्र राघव ( 8 ) व डेढ़ साल की पुत्री देवकी है। पिता की मौत के बाद बच्चों की परवरिश का बोझ रचना है।



# 318 करोड़ के सीवर प्रोजेक्ट में धांधली, इंजीनियरों को लगी फटकार... थमाया गया नोटिस; तलब किया लखनऊ

ताजनगरी में प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने वेस्टर्न जोन सीवर योजना पर नाराजगी जताई। उन्होंने सुधार के लिए 15 दिन का वक्त दिया। अधिकारियों को रिपोर्ट लेकर लखनऊ तलब किया है। उत्तर प्रदेश के आगरा में 318 करोड़ रुपये के वेस्टर्न जोन सीवरज प्रोजेक्ट में हुई धांधलियों पर जल निगम के प्रोजेक्ट मैनेजर समेत इंजीनियरों को फटकार लगाई गई है। दो दिन के दौरे पर आगरा आए प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने जल निगम के अधिशासी अभियंता और सहायक अभियंता को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। सुधार के लिए उन्होंने 15 दिन का वक्त दिया है और उसके बाद रिपोर्ट लेकर पार्षदों ने आवास विकास कॉलोनी, बिछाई सीवर लाइन के उफाने, चोक हो जाने मंगलवार को प्रमुख सचिव अमृत अभिजात सार्वजनिक रूप से फटकारा और चेतावनी को 15 दिन में सुधार दें। कॉलोनियों में उन्हें न करने की शिकायतें मिली थीं। जल निगम अधिशासी अभियंता और सहायक अभियंता उन्होंने फतेहाबाद रोड पर सफाई व्यवस्था को भी कारण बताओ नोटिस और चेतावनी ले गए इंजीनियर- प्रमुख सचिव अमृत दिखाए गए, लेकिन 24 बार धंसी सड़क पर श्याम नगर पर वेस्टर्न जोन सीवर प्रोजेक्ट में की जगह नहीं ले गए, पर पार्षदों ने जल निगम बैठक में उन्होंने मनीषा प्रोजेक्ट्स की लाइनों डालने पर एतराज जताया और प्रोजेक्ट एसटीपी के पानी की जांच की- प्रमुख धांधूपुरा में सीवेज ट्रीटमेंट को देखा और पानी के आउटलेट और इनलेट के पानी की जांच की। उन्होंने एसटीपी के पानी को गिलास में भरकर देखा। वीए टेक वबाग के प्रोजेक्ट मैनेजर अनुज त्रिपाठी ने उन्हें एसटीपी की प्रक्रिया की जानकारी दी, जिस पर उन्होंने इस पानी का गिलास देखकर कहा कि किसानों को खेती के लिए यह पानी अन्य एसटीपी से भी दिया जाए। ज्यादा पॉलिथीन पर ज्यादा जुर्माना लें- प्रमुख सचिव ने मंडलायुक्त कार्यालय में हुई समीक्षा में कहा कि ज्यादा पॉलिथिन ज्यादा जुर्माना की व्यवस्था लागू करें। इसके लिए प्रस्ताव बनाकर भेजें। निगम ने बीते साल 45 लाख और इस साल अब तक 20 लाख रुपये वसूलें हैं। उन्होंने शहर में तीन अमृत सरोवरों के काम की समीक्षा की। पालीवाल पार्क के तालाब पर काम के लिए कहा, वहीं नेचर वॉक और सर्किट हाउस में एसटीपी निर्माण के प्रस्ताव भेजने को कहा। नगर निकायों को एक एकड़ में मियाबाकी वन बनाने के निर्देश दिए और जल निगम, पीडब्लूडी से काम करने पर लिखित में एनओसी लेने के कड़े निर्देश दिए, ऐसा न करने पर एफआईआर कराने व जुर्माना लगाने को कहा। बैठक में मंडलायुक्त रितु माहेश्वरी, डीएम भानु चन्द्र गोस्वामी, नगर आयुक्त अंकित खंडेलवाल आदि मौजूद रहे।



इंजीनियरों को लखनऊ तलब किया है। सोमवार को पश्चिमपुरी, जगदीशपुरा, किशोरपुरा, लोहामंडी में नई और कनेक्शन न करने की शिकायत की थी। इस पर ने जल निगम के प्रोजेक्ट मैनेजर स्वतंत्र सिंह को दी कि वेस्टर्न जोन सीवरज प्रोजेक्ट में की गई गड़बड़ियों सीवर लाइन को नालियों से जोड़ देने, घरों के कनेक्शन के चीफ इंजीनियर आर के पंकज से उन्होंने कहा कि को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण लें। ठीक न मिलने पर सेनेटरी इंसपेक्टर योगेंद्र कुशवाहा जारी करने के निर्देश दिए। जहां सीवर उफना, वहां न अभिजात को सेक्टर 4 रोड के घरों के कनेक्शन नहीं ले गए। इसी तरह बोदला रोड, मारुति एस्टेट, बिछाई नई सीवर लाइन के चोक होने और सीवर बहने के इंजीनियरों की पोल खोल ही दी। मंगलवार को हुई के जुड़े न होने, घरों के कनेक्शन न होने, नालियों में मैनेजर स्वतंत्र सिंह पर नाराजगी जताई। धांधूपुरा सचिव अमृत अभिजात ने 78 एमएलडी एसटीपी

# दोस्त से झगड़े के बाद कोचिंग की छत से कूदकर छात्रा ने दी.... युवक ने बताया किस बात पर हुआ था झगड़ा

प्रयागराज में एक युवती ने कोचिंग सेंटर की छत से कूदकर जान दे दी। दोस्त से विवाद के बाद छात्रा ने खोफनाक कदम उठाया। ढाई घंटे तक दोनों के बीच झगड़ा हुआ। मोबाइल तोड़ने से युवती आक्रोशित हुई थी। प्रयागराज में दोस्त से झगड़े के बाद कटरा में जहाज चौराहे के पास स्थित एक कोचिंग संस्थान की छत से छात्रा ने कूदकर जान दे दी। गंभीर अवस्था में उसे एसआरएन ले जाया गया लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। दोस्त को हिरासत में लेकर पुलिस देर रात तक पूछताछ में जुटी रही। भदोही के रोही गांव निवासी भूपेंद्र नाथ त्रिपाठी अल्लपुर के नगरहा तिराहा में किराये का मकान लेकर अपने परिवार के साथ रहते हैं। वह पंडिताई करके परिवार चलाते हैं। दीपाली ( 22 ) उनकी तीन बेटियों में दूसरे नंबर की थी। प्रत्यक्षदर्शी मो. सामिक ने बताया कि छात्रा सुबह करीब 11 बजे जहाज चौराहे के पास एक युवक के साथ दुकान के सामने खड़ी होकर बातचीत कर रही थी। अचानक दोनों में कहासुनी होने लगी। करीब ढाई घंटे तक दोनों नोकझोंक करते रहे। इसी बीच युवक ने छात्रा का फोन छीनकर सड़क पर पटक दिया। छात्रा ने विरोध किया तो युवक ने उसे थप्पड़ जड़ दिया। इससे आक्रोशित होकर वह सामने स्थित क्लाइमेक्स कोचिंग के दूसरे तल पर पहुंची और वहां से छलांग लगा दी। उसके नीचे गिरते ही आसपास के लोग दौड़े और उसे पास ही स्थित अस्पताल में ले गए। जहां गंभीर हालत देखते हुए उसे रेफर कर दिया गया। तब तक पुलिस भी पहुंच गई और युवती को एसआरएन ले गई जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उधर, घटना के बाद लोगों ने युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया, जिससे देर रात तक पूछताछ होती रही। प्रारंभिक जांच पड़ताल में पता चला है कि छात्रा का युवक छलांग लगा दी। युवक हिरासत में है, देंगे, उसके आधार पर आगे कार्रवाई बताया, इस बात पर हुआ था झगड़ा- को बताया कि वह मूलरूप से रहकर दरोगा भर्ती की तैयारी कर रहा डेढ़ साल से संबंध था। सुबह उसे बारे में कुछ बातें कहीं। उसके बताने चल रही थी तभी गुस्से में आकर वह लगा दी। वह रोकता रहा लेकिन उसने बेटी को बार-बार याद कर बिलखती की छत से कूदने वाली दीपाली की अंजना के चीत्कार से वहां मौजूद को याद कर बिलखती रही। मौजूद कि वह दूसरों के घरों में चूल्हा-बर्तन थी। दीपाली ने खाना बनाया और पिता से सहेली से मिलने की बात वह लौटी तो दीपाली घर पर नहीं थी बताया कि करीब दो बजे उन्हें पुलिस अस्पताल पहुंची तो उसकी सांसें चल रही थी। उसे देखते ही दीपाली रोने लगी। कुछ कहना चाह रही थी लेकिन वह कुछ नहीं बोल पाई और उनकी आंखों के सामने ही दीपाली की सांसें थम गईं। पुलिस भर्ती की कर रही थी तैयारी- अंजना ने बताया कि दीपाली पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रही थी। वह घर से थोड़ी दूरी स्थित लाइब्रेरी में रोजाना घंटों पढ़ने जाती थी। बेटी पढ़ने में बहुत अच्छी थी। वह दूसरों के घरों में काम करके बेटी की सारी जरूरतों को पूरा करती थी, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि वह बेटी इस तरह छोड़कर चली जाएगी। दोनों विद्यार्थी कोचिंग के नहीं - मैनेजर- क्लाइमेक्स कोचिंग के मैनेजर फारूख ने बताया कि दोनों विद्यार्थी उनके कोचिंग के नहीं थे। तीन दिन से कोचिंग बंद थी। मंगलवार सुबह से कोचिंग में साफ-सफाई और रिपेयरिंग का काम चल रहा था। वहां मौजूद गिरिवर यादव ने बताया कि वह अंदर काम रहे थे, तभी युवती तेजी से आई। उन्होंने कहा कि कोचिंग बंद है लेकिन वह नहीं मानी और दूसरे मंजिल पर पहुंचकर छलांग लगा दी।



प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश ( Birthday, anniversary, any kind of message ) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

## संक्षिप्त समाचार बरेली में सड़कों पर उतरे हजारों लोग, शाहजहांपुर-बदायूं में भी विरोध प्रदर्शन

आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के विरोध में दलित और आदिवासी संगठनों ने बुधवार को भारत बंद का आह्वान किया है। बरेली में भारत बंद का आह्वान तो बेअसर दिखाई



दि या ,  
ले कि न  
आर क्षा ण  
ब चा ओ  
स ं ष  
समिति के  
बैनर तले  
हजारों लोग  
सड़कों पर  
उतर आए।  
भीम आर्मी

व आजाद समाज पार्टी समेत तमाम संगठनों के लोगों ने सड़कों पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे सैकड़ों प्रदर्शनकारी चौकी चौराहे पर बैठ गए। नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। यहां से कलक्ट्रेट पहुंचे। करीब 30 मिनट तक प्रदर्शन के बाद लोग लौट गए। उधर, शाहजहांपुर और बदायूं में भी आरक्षण पर फैसले के विरोध में प्रदर्शन हो रहा है। लखीमपुर खीरी में रैली निकालकर विरोध जताया गया। शाहजहांपुर में बुधवार सुबह दस बजे से खिरनीबाग स्थित जीआईसी मैदान में विभिन्न संगठन के सैकड़ों कार्यकर्ता एकत्र हुए। यहां से रैली निकाली जो अंटा चौराहा, अंजान चौकी, घंटाघर, बहादुरगंज एवं सदर बाजार होते हुए खिरनीबाग मैदान में वापस आकर समाप्त हुई। वहीं, भारत बंद का आह्वान पूरी तरह से निष्प्रभावी नजर आया। शहर का पूरा मार्केट खुला रहा। प्रदर्शनकारी लोगों की मांग थी कि एससीएसटी को दिए गए आरक्षण के उपवर्गीकरण संबंधी सुप्रीम कोर्ट के आदेश को संसद द्वारा रद्द किया जाए। आरक्षण को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल किया जाए। इस दौरान जमकर नारेबाजी की गई। रैली में सैकड़ों लोग शामिल हुए। सपा और बसपा के तमाम पदाधिकारी भी पहुंचे और उन्होंने मांगों का समर्थन किया। लखीमपुर खीरी जिले में भी भारत बंद आह्वान का असर नहीं दिखा। सुबह से ही शहर का बाजार खुला रहा। बसपा व अन्य संगठनों ने रैली निकाली और विरोध प्रदर्शन किया। रैली बाजार से भ्रमण कर कलक्ट्रेट पहुंची। भारत बंद को लेकर पुलिस प्रशासन चौकड़ा रहा। भारत बंद के आह्वान के चलते बरेली में हाई अलर्ट जारी किया गया है। एसएसपी ने 175 प्वाइंट पर पुलिस की ड्यूटी लगाई है। 200 रिक्टर भी पुलिस की मदद में अलग से तैनात किए गए हैं। एसएसपी अनुराग आर्य ने अलर्ट घोषित कर दिया है। बाजार में निगरानी को 100 गाड़ियों की व्यवस्था भी की गई है।

## झांसी में किशोरी से दरिंदगी: चलती कार में लड़की से तीन युवकों ने किया दुष्कर्म, 15 चरुदूर ले जाकर फेंक कर भागे

किशोरी का कहना है पड़ोस में रहने वाले सोनू ने अपनी कार में घसीट लिया। कार में ही सोनू और उसके साथियों ने बारी-बारी दुष्कर्म किया। झांसी में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां थाना प्रेम नगर निवासी एक नाबालिक लड़की से चलती कार में तीन युवकों ने दुष्कर्म किया और उसे घर से करीब 15 किलोमीटर दूर फेंककर फरार हो गए। किशोरी रोती बिलखती किसी तरह घर पहुंची, यहां परिजनों को उसने आपबीती बताई। परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे। पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में तीन युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। अन्य की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। प्रेमनगर के काशीनगर क्षेत्र निवासी किशोरी मंगलवार सुबह करीब 6-00 बजे किसी काम से अपने घर से निकली थी। किशोरी का कहना है पड़ोस में रहने वाले सोनू ने अपनी कार में घसीट लिया। कार में तीन युवक सवार थे। वह लोग करौंदी माता मंदिर की तरफ भागे। तीनों ने कार के अंदर ही बारी-बारी से उसके संग दुष्कर्म किया। इसके बाद किशोरी को वापस करौंदी माता मंदिर के पास लाकर नीचे धकेल दिया और भाग निकले। किशोरी बदहवास हाल में सुबह करीब 10-30 बजे अपने बुआ के घर आई। उसके पैर में चप्पल तक नहीं थी। परिजनों के पूछने पर उसने आपबीती बताई। उसने बताया सोनू ने दुष्कर्म के बाद उसकी मांग भर दी। एसपी सिटी ज्ञानेंद्र सिंह के मुताबिक तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए भेज दिया है।

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

की आवश्यकता है उत्तर प्रदेश .  
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली  
,बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान  
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला  
व्युरी विज्ञापन प्रतिनिधि की

सम्पर्क करे-9027776991

## चौसना में फावडे से मार कर बेटे ने मां की बेरहमी से हत्या गांव में फैली सनसनी



क्यूँ न लिखूँ सच –राकेश गुप्ता  
शामली चौसना के कुरैशी मोहल्ले में रात्रि करीब 3=30 बजे फावड़े से मार कर हत्या कर दी सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी युवक को हिरासत में लेकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया हत्या की जानकारी मिलने पर एएसपी फोर्स लेकर मौके पर पहुंचे और फोरेंसिक टीम द्वारा सबूत एकत्रित करने में लग गए जोशाना चौकी क्षेत्र के कुरैशी मोहल्ले में रहने वाले 28 वर्षीय सोबान ने अपनी मां पर फावडे से वार करते हुए हत्या कर दी जानकारी के अनुसार आरोपी युवक लंबे समय से बीमार था

## रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल जारी: दर्द से कराह उठे मरीज... नहीं मिल रहा इलाज, पूरी तरह स्वास्थ्य सेवाएं ठप

सुहागनगरी में रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल जारी है। बुधवार को इलाज को पहुंचे मरीज दर्द से कराह उठे। किसी को भी इलाज नहीं मिल रहा है। स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह ठप हैं। कोलकाता में रेप के बाद



डॉक्टर की हत्या को लेकर फिरोजाबाद के मेडिकल कॉलेज में रेजिडेंट चिकित्सकों की हड़ताल जारी है। छह दिन से स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह ठप होने से मरीज अब कराह उठे हैं। इसके बाद भी कोई हल नहीं निकला है। निजी चिकित्सकों के यहां लंबी कतार लगी है। मरीज प्रतिदिन मेडिकल कॉलेज आते हैं। हड़ताल देखकर फिर वापस लौट जाते हैं। बारिश के बाद बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। घर-घर बुखार फैल रहा है। त्योहार बाद डायरिया के मरीज भी बढ़ गए हैं। लेकिन मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों की हड़ताल के कारण छह दिन से इलाज नहीं मिल रहा है। क्रेजिडेंट चिकित्सक पच्ची भी नहीं बनने दे रहे हैं। ऐसे में सीनियर डॉक्टर भी इलाज नहीं कर पा रहे हैं। स्थिति यह है कि वार्ड भी खाली होने लगे हैं। हालांकि ज्यादा गंभीर मरीजों को इमरजेंसी में उपचार दिया जा रहा है। मरीजों का झलका दर्द- मेडिकल कॉलेज में पहुंची सुनीता देवी ने कहा कि उनके 14 वर्षीय बेटे के अपेंडिक्स का दर्द है। बाहर ऑपरेशन कराने के लिए 18 हजार खर्च होंगे। इतने रुपये न होने के कारण हर रोज बेटे को लेकर ओपीडी में दिखाने आ रहे हैं। लेकिन यहां डॉक्टर बैठे ही नहीं। इसी तरह मोहम्मद अकरम ने कहा कि चर्म रोग है। प्राइवेट में इलाज महंगा है, लेकिन मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर नहीं बैठ रहे हैं। आयशा ने बताया कि 10 दिन पहले सर्जरी हुई थी। अब आगे क्या दवा खानी है, दो बार अस्पताल आ चुकी। रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर हैं। हालांकि गंभीर मरीजों के लिए दवा की व्यवस्था कर दी है। इमरजेंसी में जाकर मरीज उपचार करा सकते हैं। -डॉ. नवीन जैन, सीएमएस

क्रूरता की हदें पार: बेरहमी से पत्नी का कत्ल... सूटकेस में पैक की लाश, ननद-सास ने लगाया ठिकाने; यूं हुआ खुलासा  
उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में रक्षाबंधन पर पत्नी ने घर जाने की जिद की, तो पति ने हत्या कर दी। शव को सूटकेस में पैक कर लिया। इसके बाद आधी रात को सूटकेस नहर में फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी हिस्ट्रीशीटर पति सहित पांच को गिरफ्तार कर लिया। बुधवार को पांचों को जेल भेज दिया गया। अभी एक ननद फरार है। घटना दक्षिण थाना क्षेत्र के भीमनगर नई आबादी की है। यहां की निवासी प्रमोद कुमार ने नवंबर 2023 में अपनी बेटी रौनक ( 22 ) की शादी रसूलपुर के आसफाबाद यादव नगर निवासी प्रशांत उर्फ जैकी से की थी। पुलिस रिकॉर्ड में प्रशांत उर्फ जैकी हिस्ट्रीशीटर है। रौनक ने 18 अगस्त को रक्षाबंधन पर घर जाने की बात कही। इस पर हिस्ट्रीशीटर पति ने न सिर्फ उसकी पिटाई की, बल्कि हत्या कर दी। सुहागनगरी में हिस्ट्रीशीटर पति ने क्रूरता की हदें पार कर दीं। बेरहमी से पत्नी का कत्ल कर दिया। लाश सूटकेस में पैक कर दी। फिर ननद और सास के साथ मिलकर ठिकाने लगाया। पुलिस के सामने आरोपियों ने सच उगाल दिया। सुनकर लोग हैरान रह गए। इसके बाद शव को सूटकेस में पैक कर दिया। रात करीब एक बजे ननद कंचन गुप्ता कार लेकर आई। बगल में सास शशी देवी बैठ गई। पति जैकी ने सूटकेस को कार की डिग्गी में रखा। सूटकेस को शिकोहाबाद नहर में फेंक दिया। मामले में थाना प्रभारी प्रमोद पंवार जांच में जुटे। उन्होंने अपनी टीम के साथ सुराग लगाया। खुलासा करते हुए हिस्ट्रीशीटर पति सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि पति प्रशांत उर्फ जैकी, ससुर महीपाल, सास शशि देवी, ननद कंचन, देवर सनी को जेल भेज दिया है। एक ननद फरार है। जांच में पता चला कि आरोपियों की घर में जो कैमरे लगे हैं। उनका डीवीआर ननद कंचन से भाई सनी के साथ स्कूटी से जाकर शीतल खां के पास नाले में फेंक दिया था। जो बरामद कर लिया है। उसे ठीक कराया जा रहा है। बॉर्डर क्षेत्र में तलाश कर रहे पीएसी गोताखोर- थाना प्रभारी प्रमोद पंवार ने बताया कि नामजद पांच आरोपियों को जेल भेज दिया है। नहर में पानी अधिक होने के कारण बहाव तेज है। पुलिस टीम के साथ पीएसी गोताखोर बॉर्डर क्षेत्र में स्टीमर से तलाश कराई जा रही है। कार चलाने वाली ननद ने ही सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर छोटे भाई के साथ स्कूटी से जाकर नाले में फेंक दिया था। उसे पुलिस ने बरामद कर लिया है।

## बहुजन समाज पार्टी व भीम आर्मी के आवाहन पर दलित समाज का बड़ा प्रदर्शन



क्यूँ न लिखूँ सच -श्याम जी कश्यप  
फर्रुखाबाद उत्तर प्रदेश- भारत बंद को लेकर धरना प्रदर्शन स्थल की कमान खुद पुलिस अधीक्षक अलोक प्रियदर्शी ने संभाली कमानपुलिस अधीक्षक भारी पुलिस बल के साथ धरना स्थल पर डटे रहे पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने आंदोलनकारियों को अंबेडकर प्रतिमा से एक कदम आगे नहीं दिया बढ़ने बहुजन समाज पार्टी व भीम आर्मी के आवाहन सभी दलित समाज की पार्टियों ने एक जुट होकर अम्बेडकर प्रतिमा पर किया धरना प्रदर्शन

## मेडिकल स्टोर संचालक ने फंदा लगाकर दी जान, आत्महत्या करने से पहले पत्नी से फोन पर की थी बात

फर्रुखाबाद- मेडिकल स्टोर संचालक की आत्महत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। जिले के कायमगंज में मेडिकल स्टोर संचालक पत्नी के मायके चले जाने से दुखी होकर फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। गांव अताईपुर चंद राठौर का इकलौता गांव चंदुइयां में चलाता था। हाल में ही पढ़ाई पूरी कर से प्रशिक्षण प्राप्त किया सुमित ने मंगलवार रात में कुड़े में साड़ी सं फंदा बेहोश हालत में उसे फंदे लेकर पहुंचे। जहां ने उसे मृत घोषित कर बताया सुमित की तीन चांदपुर निवासी थी। पिछले सप्ताह पत्नी से अनबन होने पर वह मायके चली गई। युवक ने फंदा लगाने से पहले पत्नी से बातचीत भी की थी। मोबाइल पर क्या बात हुई इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई। पुलिस इस मामले में मृतक के मोबाइल से खोजबीन कर रही है। बुधवार सुबह चौकी प्रभारी वीएस तिवारी ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पत्नी शिवानी व उसके मायके वाले सीएचसी पहुंचे। सुमित बड़ी बहन पूनम से छोटा था। उसकी दो बहनें नव्या और दिव्या उससे छोटी हैं। सभी बहनों में वह इकलौता भाई था। सुमित की मौत से मां शीला व उसकी बहनों का रो-रोकर बुरा हाल था।

## 21अगस्त 2024 आरक्षण रक्षा के लिए जनआंदोलन जरूरी हैं-जयवीर यादव



क्यूँ न लिखूँ सच -यूसुफ  
मुरादाबाद, अनुसूचित जाति और जनजाति के आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में दलित संगठनों के भारत बंद पर समाजवादी पार्टी ने सपा मुखिया अखिलेश यादव के आह्वान पर समाजवादी पार्टी मुरादाबाद मे जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव की अगुआई मे समाजवादी पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता पार्टी कार्यालय में एकत्र होकर जुलूस की शकल नारेबाजी करते हुये सिविल लाईन स्थित अम्बेडकर पार्क पहुंचे आंदोलनकारियों को सम्बोधित करते हुये जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव ने कहा कि आरक्षण की रक्षा के लिए जन-आंदोलन एक सकारात्मक प्रयास है। ये शोषित-वंचित के बीच चेतना का नया संचार करेगा। आरक्षण से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ के खिलाफ जन शक्ति का एक कवच साबित होगा। शांतिपूर्ण आंदोलन लोकतांत्रिक अधिकार होता है। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने पहले ही आगाह किया था कि संविधान तभी कारगर साबित होगा जब उसको लागू करने वालों की मंशा सही होगी। जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव ने समुदाय आधारित आरक्षण को लेकर बुलाए गए एक दिवसीय भारत बंद का समर्थन किया है.कहाँ कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने पहले ही चेतावनी दी थी कि संविधान तभी कारगर होगा जब इसे लागू करने वालों की नीयत सही होगी. सरकार बेलगाम हो चुकी इस लगाम लगाने के लिए जन आंदोलन जरूरी है। जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव पूर्व महानगर अध्यक्ष शाने अली शानू बज्रलाल जाटव फुत्कान अली धर्मेन्द्र यादव रहीसउद्दीन नईमी मनीष जाटव, सुनीता सिंह हनी जाटव दुर्गा शर्मा बदरू खान रजीउद्दीन खां अताउर्हमान हारून पाशा अमित प्रजापति, विकास चौधरी, राकेश राठी, विजयवीर सिंह यादव वी के सैनी कुलदीप तुरैह, अमरजीत सिंह प्रदीप यादव शानू यादव जिगरी मलिक वसिम अकरम एम पी सिंह अशोक सैनी कमरुजमा सैफी वेद प्रकाश सैनी

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना, क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 927776991

## संक्षिप्त समाचार

## राजीव गांधी अमर रहें नारों की गूंज के साथ मनायी गई पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न आधुनिक भारत के निर्माता स्व राजीव गांधी जी की जयंती



क्यूँ न लिखूँ सच - नीरज कुमार  
कोंच नगर स्थित सरोजिनी नायडू पार्क में महात्मा गांधी जी और सरदार पटेल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के उपरांत राजीव गांधी जी की जयंती कांग्रेस नगर अध्यक्ष राधावेन्द तिवारी की अध्यक्षता में मनाई गई और उन के

## मां ने खर्च के लिए नहीं दिए 100 रुपये, 16 साल के बेटे ने कर ली आत्महत्या, शर्ट का फंदा बनाकर लटका

शाहजहांपुर के मिर्जापुर थाना क्षेत्र में मामूली बात पर 16 साल के किशोर ने आत्महत्या कर ली। उसका शव पेड़ पर लटका मिला। बताया गया कि किशोर ने अपनी मां से रुपये मांगे थे। मां ने इन्कार कर दिया था। शाहजहांपुर के मिर्जापुर थाना क्षेत्र में खर्च के लिए रुपये न मिलने से नाराज बानगांव निवासी विद्याराम के 16 वर्षीय पुत्र अजीत ने आत्महत्या कर ली। उसका शव फंदे से लटका मिला। उसकी मौत से परिवार में मातम छा गया। किशोर के कदम से ग्रामीण भी स्तब्ध हैं। दो भाइयों में बड़े अजीत ने मंगलवार को दोपहर एक बजे अपनी मां छोटी बितिया से खर्च के लिए सौ रुपये मांगे थे। उस समय रुपये नहीं होने पर उन्होंने इन्कार कर दिया। इससे नाराज होकर अजीत घर से निकल गया। मकान से कुछ दूरी पर आम के पेड़ पर शर्ट का फंदा गले में डालने के बाद वह लटक गया। काफी देर तक घर नहीं आने से परिजन ने तलाश शुरू की। शाम चार बजे आम के पेड़ में शव लटका मिला। इसके बाद ग्रामीणों की भीड़ लग गई। सूचना पर थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव को उतरवाने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

## चांदी कारीगरों को थर्ड डिग्री: कारखाने में बंद कर किया टॉर्चर; चोट के निशान बयां कर रहे बर्बरता की दास्तां

ताजनगरी में दो चांदी कारीगरों को थर्ड डिग्री टॉर्चर किया गया। उन्हें कारखाने में बंद करके बुरी तरह टॉर्चर किया। उनके शरीर पर आए चोट के निशान बर्बरता की दास्तां बयां कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के आगरा में रविवार को चांदी कारीगरों से बर्बरता की गई। कारखाने में बंद करके उन्हें बुरी तरह टॉर्चर किया गया। उनके शरीर पर पड़े निशान बर्बरता की दास्तां बयां कर रहे हैं। उनका इलाज चल रहा है। इसका वीडियो भी सामने आया है। मामला थाना कोतवाली क्षेत्र के तिलक बाजार का है। यहां कारीगरों का व्यापारियों से रुपयों के लेनदेन को लेकर विवाद हो गया। कहासुनी से चांदी व्यापारी इतना आक्रोशित हुए कि उन्होंने दो कारीगरों को कारखाने में बंद करके थर्ड डिग्री टॉर्चर किया। पीड़ित कारीगर पंकज वर्मा और धर्मेद वर्मा के शरीर पर चोटों के गंभीर निशान हैं। वह घटना के बाद से सहमे हुए हैं। मंगलवार को उन्होंने हिम्मत जुटाकर कोतवाली पुलिस को पांच व्यापारियों के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस शिकायत के आधार पर जांच कर रही है।

# क्रीमी लेयर पर मचे घमासान के बीच क्यों बुलाया गया भारत बंद, किस सुप्रीम आदेश का हो रहा विरोध?

भारत बंद के पीछे 1 अगस्त, 2024 को आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला है। उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले में कहा था कि राज्य को सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने के लिए अनुसूचित जातियों का उप-वर्गीकरण करने का अधिकार है। विरोध करने वाले संगठनों का तर्क है कि एससी में उप-वर्गीकरण का निर्णय आरक्षण ढांचे और संवैधानिक सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है।आज देश में कई दलित और आदिवासी संगठनों ने अनुसूचित जाति आरक्षण पर सुप्रीम यह राष्ट्रव्यापी हड़ताल की जा रही है। पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय घोषणा की है। वामपंथी दलों ने भी है। वहीं, एनडीए में शामिल लोक इस बंद को समर्थन दिया है। इससे एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर आज का भारत बंद क्या है? यह वाले संगठनों की मांग क्या है? सुप्रीम हुआ? विपक्षी दलों ने फैसले पर क्या पर क्या रख अपनाया?आज का भारत के खिलाफ भारत बंद बुलाया गया है, उप-वर्गीकरण बनाने की अनुमति दी और आदिवासी संगठनों ने बुधवार को बंद का देश में मिला-जुला असर देखने परिवहन और व्यावसायिक राज्यों में शैक्षणिक संस्थान भी बंद हैं। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में

बुलाया गया है? इस विरोध के पीछे 1 अगस्त, 2024 को आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला है। दरअसल, उच्चतम न्यायालय के सात न्यायधीशों की संविधान पीठ ने अपने फैसले में कहा था कि राज्य को सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने के लिए अनुसूचित जातियों का उप-वर्गीकरण करने का अधिकार है। फैसले का मतलब है कि राज्य एससी श्रेणियों के बीच अधिक पिछड़े लोगों की पहचान कर सकते हैं और कोटे के भीतर अलग कोटा के लिए उन्हें उप-वर्गीकृत कर सकते हैं। यह फैसला भारत के प्रधान न्यायाधीश ( सीजेआई ) डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सात सदस्यीय संविधान पीठ ने सुनाया था। इसके जरिए 2004 में ईवी चित्रेया मामले में दिए गए पांच जजों के फैसले को पलट दिया। बता दें कि 2004 के निर्णय में कहा गया था कि एससी/एसटी में उप-वर्गीकरण नहीं किया जा सकता है। फैसले के दौरान हुई बहस में अदालत ने एससी-एसटी में क्रीमी लेयर की आवश्यकता पर जोर दिया था। कई जजों ने न्यायालय ने अनुसूचित जातियों के भीतर क्रीमी लेयर को अनुसूचित जाति श्रेणियों के लिए निर्धारित आरक्षण लाभों से बाहर रखने की पर राय रखी थी। वर्तमान में, यह व्यवस्था अन्य पिछड़ा वर्ग ( ओबीसी ) के लिए आरक्षण पर लागू होती है। मुख्य रूप से न्यायमूर्ति बीआर गवई ने कहा था कि राज्यों को एससी, एसटी में क्रीमी लेयर की पहचान करनी चाहिए और उन्हें आरक्षण के दायरे से बाहर करना चाहिए। तो बंद बुलाने वाले संगठनों की मांग क्या है? देशभर में कई सामाजिक संघों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर असंतोष जताया है। दलित और आदिवासी संगठनों के राष्ट्रीय परिसंघ ( NACDAOR ) का तर्क है कि एससी में उप-वर्गीकरण का निर्णय आरक्षण ढांचे और संवैधानिक सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है। इसने सरकार से अनुरोध किया है कि इस फैसले को खारिज किया जाए, क्योंकि यह अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के संवैधानिक अधिकारों के लिए खतरा है। राजनीतिक दलों ने फैसले पर क्या कहा?- कांग्रेस, बसपा, चिराग पासवान की लोजपा और रामदास अठवले की आरपीआई समेत कई पार्टियों ने कोर्ट के फैसले के कई पहलुओं की आलोचना की। चिराग पासवान ने कहा कि उनकी पार्टी फैसले की समीक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट जाएगी। देश की मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के नेताओं राहुल गांधी, सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे समेत पार्टी नेतृत्व ने उपवर्गीकरण मुद्दे पर बैठक की थी। खरगे के आवास पर हुई बैठक में पार्टी महासचिव केंसी वेणुगोपाल, कांग्रेस के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला, महासचिव जयराम रमेश और पार्टी के कानूनी और दलित चेहरे शामिल थे। बैठक के बाद जयराम रमेश ने जाति जनगणना और अनुसूचित जातियों, जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए आरक्षण पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित 50 % की सीमा को हटाने की पार्टी की मांग दोहराई। इसके अलावा, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा था कि प्रधानमंत्री संसद में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को खारिज कर सकते थे और इसे वहां ला सकते थे। उन्होंने कहा था, प्रधानमंत्री कुछ घंटों में विधेयक बना सकते हैं। इसके लिए आपके पास कई दिन बीत जाने के बावजूद समय नहीं है। खरगे ने कहा था कि आरक्षण नीति में कोई बदलाव तब तक नहीं किया जाना चाहिए, जब तक कि 'देश में अस्पृश्यता की प्रथा बनी रहे। सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने क्रीमी लेयर का मुद्दा उठाकर अनुसूचित जाति समुदाय के लोगों के बारे में नहीं सोचा है। उन्होंने कहा था कि विपक्षी दल इस मुद्दे पर एकजुट हैं। हालांकि, कांग्रेस के दो मुख्यमंत्रियों- कर्नाटक के सिद्धारमैया और तेलंगाना के रवंत रेड्डी ने स्थानीय समीकरणों के चलते इस फैसले का स्वागत किया था। कांग्रेस नेताओं ने यह भी कहा था कि पार्टी का नजरिया दिल्ली में नेतृत्व द्वारा तय किया जाएगा। उधर, केंद्रीय मंत्री और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीवन राम मांझी ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का समर्थन किया है। एनडीए के नेता ने कहा कि एससी-एसटी आरक्षण में जो जातियां आरक्षण के लाभ से वंचित हैं, उन्हें कोटे में कोटा का लाभ दिया जाना चाहिए। सरकार का इस मामले में क्या रुख है? सर्वोच्च अदालत के फैसले के करीब हफ्तेभर बाद 9 अगस्त को एससी और एसटी समुदायों से आने वाले भाजपा सांसदों ने पीएम मोदी से मुलाकात की। करीब 100 सांसदों ने एससी/एसटी आरक्षण के भीतर क्रीमी लेयर अवधारणा के कार्यान्वयन पर सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए एक ज्ञापन दिया। उन्होंने आग्रह किया कि इस निर्णय को लागू नहीं किया जाना चाहिए। सांसदों के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया था कि वे इस मुद्दे को हल करेंगे। उसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक हुई जिसमें कहा गया कि संविधान में एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर का कोई प्रावधान नहीं है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने फैसले के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी आरक्षण को लेकर सुझाव दिया था। इसे लेकर कैबिनेट बैठक में चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार डॉ. बीआर आंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान से बंधी है। साथ ही संविधान में एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर का कोई प्रावधान नहीं है।

# डॉक्टरों ने कोलकाता में सीबीआई कार्यालय तक निकाला मार्च, देशभर में विरोध प्रदर्शन जारी

कोलकाता के आरजी कल मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों और छात्र आज विरोध मार्च निकाला। यह मार्च सीबीआई कार्यालय तक निकाला गया। हालांकि मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों से हड़ताल वापस लेने का आग्रह किया था।कोलकाता के राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान के डॉक्टरों ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल दुष्कर्म-हत्या मामले में न्याय की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। तेलंगाना में भी डॉक्टरों ने कोलकाता की घटना के विरोध में विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा नेता लॉकेट चटर्जी ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना पर नाराजगी जताते हुए कहा, %पूरे देश और पश्चिम बंगाल की एक ही मांग है, न्याय। अगर ममता बनर्जी न्याय नहीं दे पा रही हैं तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। वो ममता बनर्जी जो पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री हैं, गृह मंत्री हैं, स्वास्थ्य मंत्री हैं, पुलिस मंत्री हैं वो खुद ही अपनी सरकार के खिलाफ रास्ते न्याय दें नहीं तो इस्तीफा दें।%कोलकाता दुष्कर्म और हत्या की घटना में इंसाफ की कार्यालय ) कॉम्प्लेक्स के बाहर विरोध मेडिकल कॉलेज में तोड़फोड़ और हिंसा के है। निर्लंबित किए गए पुलिसकर्मियों में दो शामिल हैं। वहीं एक इंस्पेक्टर शामिल हैं। कर मेडिकल कॉलेज में घुसकर तोड़फोड़ महिला डॉक्टर से दुष्कर्म के मामले में थे। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं सुनवाई पर केंद्रीय मंत्री सुकांता मजुमदार को सुरक्षा देने की जरूरत आ पड़ी है, तो बिल्कुल विश्वास नहीं है।%आरजी कर हिंसा के बाद अस्पताल की सुरक्षा सीआईएसएफ के डीआईजी आज आरजी कर मेडिकल कॉलेज की दौरा करेंगे। वहीं आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष से सीबीआई आज फिर पूछताछ करेगी। सीबीआई लगातार छठे दिन संदीप घोष से पूछताछ करेगी। मामले में संदीप घोष की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है।

# डेंगू ने दी दस्तक , लक्षण दिखें तो न करें लापरवाही...ऐसे करें बचाव

मुरादाबाद- जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. प्रवीन कुमार श्रीवास्तव ने रोगियों को सलाह दी है कि यदि आपको डेंगू के लक्षण लगते हैं तो पहले तो अपने फिजिशियन से संपर्क करें और फिर उनके परामर्श पर जिला अस्पताल में एलाइजा टेस्ट करा लें। जिला अस्पताल में एलाइजा की निशुल्क जांच होती है। यहां अस्पताल में डेंगू का निशुल्क इलाज भी है। उन्होंने कहा कि मौसम का बदलाव शुरू होते ही डेंगू ने दस्तक दे दी है। बदलते मौसम में डेंगू मच्छर अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। ऐसे करें डेंगू से बचाव- डेंगू मच्छर प्रायः दिन में ही काटता है, इसलिए दिन में मच्छरों से बचाव करें। घर के आसपास या घर के अंदर पानी नहीं जमने दें। कूलर, गमले व टायर आदि में पानी न एकत्रित होने दें। मच्छरदानी का प्रयोग करें और मच्छर वाली जगह से दूर रहें। प्रयास करें कि ऐसे कपड़े पहनें, जिससे पूरा हाथ, पैर ठीक से ढंका रहे। यदि डेंगू हो भी जाए तो सावधान रहें, ताकि संक्रमण दूसरों को न हो सके। डेंगू के यह हैं लक्षण- इसमें मरीज को दो से सात दिन तक तेज बुखार होता है। इसमें अचानक तेज बुखार, सिर में आगे की तरफ तेज दर्द, आंखों के पीछे दर्द, स्वाद का पता न चलना और भूख न लगना, छाती और ऊपरी अंगों पर खरसे जैसे दागें, चक्कर आना, शरीर में खून की तरह चकते आदि इसके प्रमुख लक्षण हैं। ऐसे लक्षण दिखने पर फिजिशियन से संपर्क कर सकते हैं। आंकड़ों में डेंगू- आधी हकीकत, आधा फंसाना- मुरादाबाद। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े कितने सच हैं इस पर दावा तो नहीं कर सकते लेकिन, सरकारी आंकड़े कह रहे हैं कि 2023 की बात दूर पिछले तीन वर्षों में मुरादाबाद जिले में एक भी व्यक्ति की मौत डेंगू से नहीं हुई है। वैसे, हकीकत यह भी है कि पिछले साल डेंगू के रोगियों की जिले में बाढ़ सी आ गई थी। अस्पतालों में बेड तक नहीं मिल रहे थे। रोगियों को फर्श पर लिटाकर इलाज चला था। काफी लोगों की मौत भी हो गई थी। फिलहाल, जिला अस्पताल की प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ.संगीता गुप्ता बताती हैं कि पिछले साल डेंगू का प्रकोप बहुत अधिक था। उन्हें वाई में पूर्व में आरक्षित बेड की संख्या को बढ़ाकर 50 तक करना पड़ा था। वैसे सीएमओ कार्यालय के आंकड़े बता रहे हैं कि पिछले वर्ष के तीन महीने ( अगस्त-अक्टूबर ) में ही डेंगू के 1201 रोगी मिले थे। इसमें 890 शहरी और 311 रोगी ग्रामीण क्षेत्र से थे। डेंगू को लेकर हर कोई भयभीत था। महानगर के लगभग हर वाई में डेंगू से सुरक्षा को लेकर हॉट स्पॉट बनाए गए थे। लेकिन, स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि पिछले साल हुई मौतें डेंगू से नहीं बल्कि अन्य रोगों के कारण हुई थीं।

## सुप्रीम कोर्ट के फैसले से 'भारत बंद' तक

|                                                                                              |                                                                                                     |
|----------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <b>1 अगस्त</b><br>सुप्रीम कोर्ट का एससी आरक्षण में उप-वर्गीकरण का फैसला, क्रीमी लेयर पर जोर। | <b>3 अगस्त</b><br>चिराग पासवान का एलान, लोजपा (आर) सुप्रीम कोर्ट के फैसले की समीक्षा की मांग करेगी। |
|----------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------|

|                                                                                              |                                                                                                    |
|----------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <b>9 अगस्त</b><br>एससी-एसटी समुदायों से आने वाले भाजपा सांसद इस मुद्दे पर पीएम मोदी से मिले। | <b>9 अगस्त</b><br>कैबिनेट का फैसला, संविधान में एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर का प्रावधान नहीं। |
|----------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------|

|                 |                                                                        |
|-----------------|------------------------------------------------------------------------|
| <b>21 अगस्त</b> | सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ दलित और आदिवासी संगठनों का 'भारत बंद'। |
|-----------------|------------------------------------------------------------------------|



%भारत बंद% का आह्वान किया है। कोर्ट के हालिया फैसले के विरोध में बुधवार के बंद को कांग्रेस, समाजवादी जनता दल ने अपना समर्थन देने की हड़ताल के आह्वान का समर्थन किया जनशक्ति पार्टी ( रामविलास ) ने भी पहले केंद्र सरकार ने कहा था कि वो के पक्ष में नहीं है। आइये जानते हैं कि किसलिए बुलाया गया है? बंद बुलाने कोर्ट के फैसले के बाद क्या-क्या कहा? सरकार ने अदालत के निर्णय बंद क्या है? सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले जिसमें राज्यों को एससी श्रेणी के भीतर गई है। इसे लेकर देश के कई दलित भारत बंद का आह्वान किया है। इस को मिल रहा है। कई जगह हड़ताल से गतिविधियां बाधित हुई हैं। वहीं कई सबसे ज्यादा असर बिहार, राजस्थान, दिख रहा है।यह बंद किस वजह से

## संक्षिप्त समाचार

## रास्ते पर किसी ने बाधा उत्पन्न की या रास्ता को रोकने की कोशिश की सीधी कार्रवाई होगी

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर  
अलीगढ़ भाजपा किसान मोर्चा के कद्दावर नेता पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा शक्ति केंद्र प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह कहाँ है कि सिधौली वाई नंबर 5 बाबा कॉलोनी एसजेडी हॉस्पिटल वाली गली का निर्माण कार्य चल रहा है कुछ लोग उसे रास्ते पर विघ्न पैदा करना चाहते हैं रास्ते पर अराजकता गुंडागर्दी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी चाहे वह कितने भी दुर्बंग क्यों हो भाजपा किसान मोर्चा के कद्दावर नेता ठाकुर राकेश कुमार सिंह यह भी कहा है कि पूरे रास्ते पर निर्माण कार्य मिट्टी कार्य सही दिशा में हो रहा है ऐसा कोई कार्य नहीं हो रहा है जिस पर कोई विघ्न पैदा करें अराजकता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी इस रास्ते पर निर्माण कार्य मिट्टी कार्य होने पर किसी को किसी भी तरह का कोई नुकसान नहीं हो रहा है गुंडागर्दी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी

## ग्रामीणों की पिटाई से टूटी हमलावरों की टांग, मुख्य आरोपी अभी फरार

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर  
अलीगढ़ हरदुआगंज गुरुसिकरन गांव में जीतू चौहान को गोली मारने की घटना के बाद ग्रामीणों के गुस्से के शिकार हुए दोनों आरोपियों के पैर की हड्डी टूट गई है। दोनों का पुलिस की निगरानी में उपचार चल रहा है। इस मामले में फरार मुख्य आरोपी अभी पुलिस के हाथ नहीं आया है। सुबह जीतू की पत्नी अंजू देवी और खानदानी रिश्ते की ननद रेखा के बीच हंसी मजाक कहासुनी में बदल गई थी। रेखा ने अंजू पर बेइज्जत करने का आरोप लगाते हुए परिजनों से शिकायत की। इसी के चलते रेखा के भाई धर्मेन्द्र ने जीतू चौहान को गोली मार दी और फरार हो गया। उसके दो साथियों हरदुआगंज निवासी आदर्श जादौन निवासी मोहल्ला जहगीरा व लखन यादव निवासी अहीरपाड़ा को ग्रामीणों ने दबोच लिया और पीटने के बाद पुलिस को सौंप दिया था। इनकी बाइक भी फूंक दी थी। एकसरे में इन दोनों के पैर की हड्डी टूटने की बात सामने आई है। गोली लगने से घायल हुए जीतू चौहान का क्रासी स्थित निजी अस्पताल में देर रात ऑपरेशन कर उनके पेट में फंसी गोली निकाल दी गई।

## देवी प्रतिमा को खंडित कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर  
अलीगढ़ थाना रोरावर क्षेत्र के गांव अमरपुर कौंडला में अराजक तत्वों ने पथवारी मंदिर में लगी मां दुर्गा की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। सुबह मंदिर पहुंचे ग्रामीण इसे देख भड़क गए और हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस के रिपोर्ट दर्ज करने और आरोपियों की तलाश कर कार्रवाई करने के आश्वासन पर ग्रामीण शांत हुए। गांव अमरपुर कौंडला से बाहर की ओर जंगल में पथवारी मंदिर बना हुआ है और इसमें मां दुर्गा की प्रतिमा लगी हुई है। इसे रात में किसी समय अराजक तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। सुबह इसकी सूचना पर ग्रामीण वहां पहुंच गए। प्रतिमा क्षतिग्रस्त देख ग्रामीण भड़क गए और हंगामा करने लगे। सूचना पर रोरावर थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार और सीओ अभयकुमार पांडेय पुलिस बल के साथ पहुंच गए। करीब एक घंटे तक हंगामा चलता रहा। इसके बाद पुलिस ने गांव के मनोज कुमार से घटना के संबंध में तहरीर ली और अराजक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। सीओ प्रथम अभय पांडेय ने बताया कि घटना के संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई जा रही है। जांच और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है। जल्द घटना का खुलासा किया जाएगा।

## शामली का राष्ट्रीय सेविका समिति द्वारा गुरु दक्षिणा कार्यक्रम का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता  
शामली विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबंध नगर के सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में राष्ट्र सेविका समिति द्वारा गुरु दक्षिणा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य बालिकाओं को समर्पण की भावना के



लिए प्रेरित करना था कार्यक्रम की प्रमुख सुनीता पाल जी ने राष्ट्र सेविका समिति की संस्थापिका लक्ष्मीबाई केलकर के साहस के विषय में सभी बालिकाओं

को बताया उन्होंने कहा कि वह नारी जागरण की अग्रदूत थी। देश भक्ति की प्रेरणा स्रोत थी उन्होंने समिति के भगवा ध्वज को गुरु बनाने के कारण से भी बालिकाओं को अवगत कराया। राष्ट्र सेविका समिति की सदस्य अमिता आर्य ,वीणा अग्रवाल, सृष्टि, डॉक्टर नीलम सविता गुप्ता समस्त विद्यालय परिवार ने भगवा ध्वज को प्रणाम कर समर्पण किया। यह समर्पण निधि एकत्र करने पर नागपुर संस्था को भेजी जाती है जो देश में जरूरतमंद लोगों की शिक्षा स्वास्थ्य आदि की व्यवस्था के प्रयोग में लाई जाती है। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने आएं हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर शिक्षिका बिंदिया, रितु, संगीता, लक्ष्मी,दीपा, कविता गुप्ता, सुरभि मित्र ,अनीता मलिक, उपासना बंसल ,वंदना पुंडीर, मोनिका बालियां, नीलम पाल रेनू पंकज बंसल आदि उपस्थित रहे।

If the face has become dry due to getting wet in the rain, then apply these 5 things on the skin

6 rights related to a girl's marriage, every woman should know

If the skin is not taken care of properly during the rainy season, then it can be very troublesome. Actually, after getting wet in the rainy season, the skin starts becoming very dry. Due to this



dryness, the face starts to stretch and white spots start appearing on the face. When this happens, the glow of the skin gradually starts to fade away. In such a situation, if you like to get wet in the rainy season, then you need to take special care of your skin. Here we are going to tell you about some such household items, by using which you can maintain the moisture of the face. These things will also work to remove the itching caused by rain. Let us tell you about these household items without delay. Aloe Vera Gel - Many such elements are found in aloe vera gel, which hydrate the skin, due to which the skin starts shining. In such a situation, apply aloe vera gel directly on your skin and let it dry. This will give relief to your skin. Honey- Honey is a natural moisturizer that deeply moisturizes the skin. Apply honey on the face and leave it for 15-20 minutes and then wash it with lukewarm water. This will also remove dryness from the face. Coconut oil- Coconut oil will be found in every home. It is an excellent moisturizer for the skin. It goes deep into the skin and moisturizes it and softens dry skin. In such a situation, apply coconut oil on the face every night before sleeping. Yogurt- Yogurt contains lactic acid which cleanses the skin and keeps it hydrated. In such a situation, you can apply curd on the face and leave it for 15 minutes and then wash it with cold water. This will also retain the moisture of the skin. Oatmeal and milk pack- A mixture of oatmeal and milk provides nourishment and moisture to the skin. To make this pack, you will need 2 teaspoons of oatmeal and 1-2 teaspoons of milk. Make a paste by mixing both the things and apply it on the face. Wash it off after 20 minutes.

Women must know about some of their rights related to marriage so that they can live their life according to their wish and do not depend on the decisions of others after marriage. These are some rights related to marriage for women. To strengthen the position of women in society, the law gives some rights to women. In most cases, married women are dependent on others



as compared to unmarried women. Decisions are taken for them by family members. Due to lack of self-reliance, women have less knowledge about their rights and also lack confidence to demand their rights. In such a situation, women must know about some of their rights related to marriage so that they can live their life according to their wish and do not depend on the decisions of others after marriage. These are some rights related to marriage for women. Stridhan Adhikar- Every woman has the right to all kinds of gifts, jewelry, clothes, money or property received by her at the time of her marriage, baby shower or during any ritual. The things received by a woman before and after marriage without any coercion are called Stridhan, over which only she has the right. Right to ancestral property- A married daughter has the right over her parents' property. Even after marriage, she can become the heir of her parents' property. Whether she is married or unmarried, she has equal rights over her parents' property like other children. Right to prohibit dowry- A woman has the right to file a case if dowry is demanded. Both the person who takes and gives dowry are criminals. In such a case, the woman can file a case against her parents or the boy's parents and they can also be arrested. Right to abortion- A woman has the right that if she does not want to become a mother after marriage, she can get an abortion done on her own. A woman does not need the consent of her husband or family for abortion. Right to marriage- No one, including her parents, can force a woman to marry or have any relationship. A woman has the legal right to marry the person of her choice. Rights over husband- The law gives a married woman the right to oppose her husband if he develops a physical or mental relationship with another woman. The husband of a married woman cannot develop a relationship with another woman.

Why is Krishna Janmashtami celebrated, know the history and importance

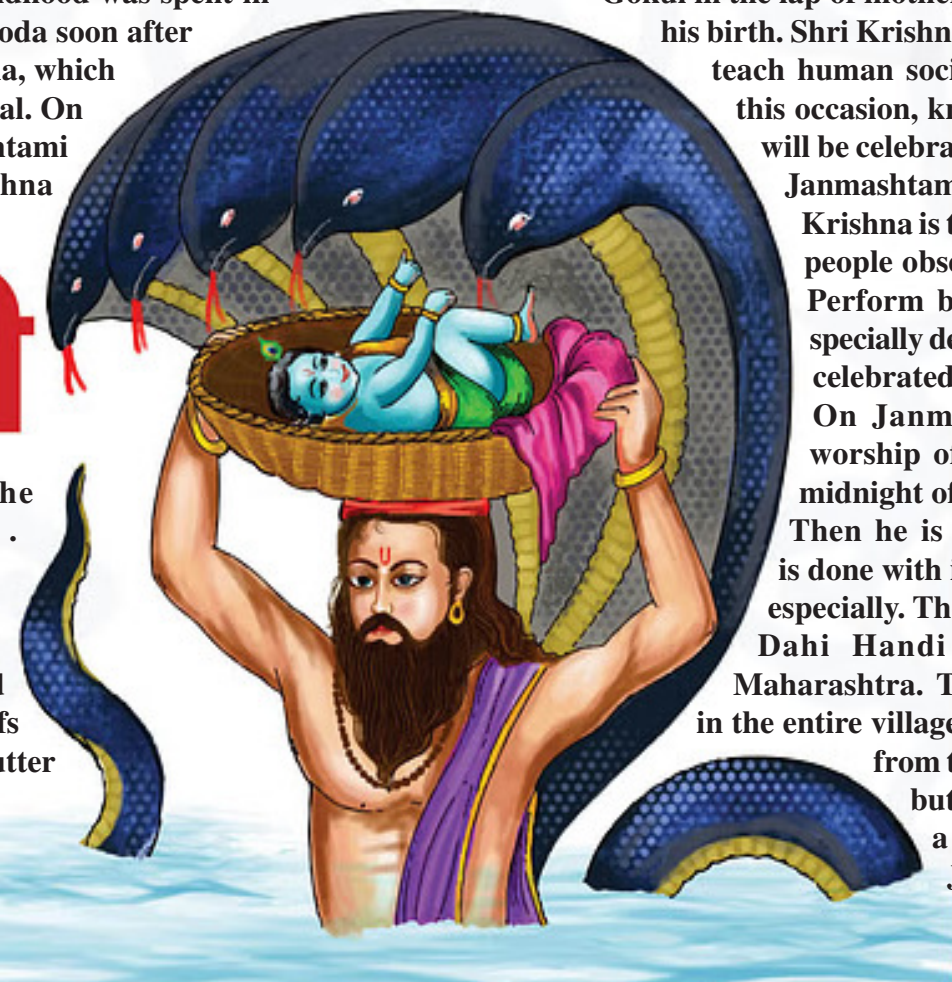
Lord Vishnu incarnated in every era to destroy sin and unrighteousness on earth. One of the incarnations of Vishnu ji is Lord Krishna, who was born as the eighth child of Mathura's princess Devaki and Vasudev. Born in the prison of King Kansa, Kanha's childhood was spent in him from King Kansa, Vasudev gave Kanha to his cousin Nandbaba and Yashoda soon after his life from his birth. There are many stories related to the life of Shri Krishna, which unrighteousness and sin. Devotees celebrate his birthday every year as a festival. On Krishna Janmashtami. When is Krishna Janmashtami 2024- Krishna Janmashtami of Krishna Paksha of Bhadrapada month. This time the festival of Krishna 2024. Importance of Krishna Janmashtami - According to the Puranas, Shri of the Tridevas. To get the blessings and grace of Krishna, every year rituals at midnight. anniversary. Temples are Dahi-Handi is also Janmashtami celebrated? - according to their faith. Special

Gopal was born at midnight. Therefore, of Laddu Gopal present in the house is clothes. Flowers are offered and to Kanha. He likes milk, curd and Prasad is distributed to everyone. Why and how is Dahi Handi celebrated? - Janmashtami at some places. Dahi Handi has special significance in Gujarat and interesting. Kanha was very naughty in childhood. He was famous for his mischiefs milk. He loved butter so much that he, along with his friends, used to steal butter To save butter from Kanha, women used to hang the pot of butter at a height, made a pyramid and through it, stole butter from the pot hanging at mischiefs of Krishna, the pot of butter is hung at a height on dancing and singing, make a pyramid and reach the pot and the boy who goes up to the top is called Govinda.

जन्माष्टमी

2024

on the born . worship butter



Gokul in the lap of mother Yashoda and Nand Baba. To save his birth. Shri Krishna showed miracles at every stage of teach human society. Gives right guidance against this occasion, know the history and importance of will be celebrated every year on the Ashtami date Janmashtami is being celebrated on 28 August Krishna is the incarnation of Lord Vishnu, one people observe fast on this day, worship with Perform bhajan kirtan and celebrate birth specially decorated for this day. At some places, celebrated on Janmashtami. How is Krishna On Janmashtami, devotees observe fast worship of Lord Shri Krishna is done. Bal midnight of the date of Janmashtami, the idol Then he is bathed and dressed in beautiful is done with incense and lamps. Bhog is offered especially. Therefore, after offering food to God, Dahi Handi is organized on the day of Maharashtra. The history of Dahi Handi is very in the entire village. Kanhaiya loved butter, curd and from the houses of the villagers and eat it. but Bal Gopal, along with his friends, a height. To remember these Janmashtami. The boys, while break it. This is called Dahi Handi,

# Madhur Bhandarkar **Bhumika** won hearts said- **Kareena** had cut her fees, **Tabu**, **Priyanka** and **Raveena** did this with her role in her first film, was seen with **Salman Khan**

Three times National Film Award winning director Madhur Bhandarkar's films 'Fashion' and 'Heroine' were much talked about. For the last few days, there has been a lot of talk in



the film industry about the high fees of the actors. In this connection, Madhur has also shared his experience and told that the actors working with him had taken less fees. Madhur Bhandarkar directed 'Chandni Bar' in 2001. For this film, he received the National Film Award for the best film on a social issue. Madhur had a total budget of Rs 1.5 crore for the film. Madhur told that every actress working with him had cut her fees and Tabu worked for less money for Chandni Bar. Madhur made the film 'Corporate' in 2006. He told that Bipasha Basu, who played the lead role in the film, had also cut her fees. At the same time, Raveena Tandon, who worked in the film 'Satta', also did the same. Apart from this, Madhur gave more examples. Priyanka Chopra for 'Fashion' and Kareena Kapoor for 'Heroine' also paid their fees. Madhur Bhandarkar, who is included in the list of directors making films on social issues, his last directed film was 'Babli Bouncer', which was released in the year 2022. Tamannaah Bhatia played the lead role in the film. Most of Madhur's films are female-oriented. Madhur Bhandarkar won the National Film Award for Best Feature Film for the film 'Page 3'. He received the National Film Award for Best Direction for Traffic Signal. The film was released in 2007 and starred Kunal Khemu. Madhur was awarded the Padma Shri in the year 2016.

Bhumika Chawla is a well-known actress of Hindi cinema. The actress, who is celebrating her birthday today on 21st October, entered Hindi cinema after making a name for herself in Telugu and Tamil cinema. She appeared with Salman Khan in the film 'Tere Naam' released in the year 2003. She came to Mumbai as soon as she completed her studies, because she was very fond of acting since childhood. Bhumika's film career started with South cinema. She



started her acting career with the film Yuvakudu released in the year 2000. This film did not make much impact on the screen, but she achieved great success with her second Tamil film 'Badri'. She won everyone's heart with this film. After this, she gave a new dimension to her acting career with her third film Khushi. This was a Telugu film, which broke all the box office records. She debuted in Hindi films with superstar Salman Khan. Her very first film was with a big superstar. There was a lot of excitement about the film and the film was quite successful in winning the hearts of the people. In this film, she won the hearts of the audience by acting brilliantly in her simple character. After this film, she also appeared in Run with Abhishek Bachchan. After this, she worked in other films like 'Dil Ne Jise Apna Kaha', 'Gandhi My Father', 'Dil Jo Bhi Kahe' and 'Silsile'. Bhumika Chawla, who belongs to a Punjabi family, was born on 21 August 1978 in Delhi. Her real name is Rachna Chawla. The actress completed her education from Delhi, after which she came to Mumbai in the year 1998. Here she got a photoshoot done by famous photographer Dabboo Ratnani, after which she got work in many advertisements. After this, her film career slowly took off. Even after doing her first Hindi film with Salman Khan, the actress's career could not last very long. After this, the actress married yoga teacher Bharat Thakur in the year 2007. While learning yoga, she fell in love with Bharat, after which the two had an affair for about four years. The actress will soon be seen in the Tamil romantic comedy film 'Brother', which also stars Priyanka Mohan and Jayam Ravi.

# Dharmendra fell in love with **Hema** at first sight, had to struggle a lot to marry her

It is said that love is a beautiful thing, for which a person crosses all limits. A lover is ready to even risk his life for his beloved. However, when we read and hear these dialogues in books and films, we get goosebumps, but the audience are going to introduce you to such a love it will definitely inspire lovers. Whenever the famous couple Dharmendra and Married Dharmendra had to face a lot of Similarly, Hema also had to struggle a lot Dharmendra's first film was 'Tum Haseen for the first time in this film. Both the knew that Dharmendra was married and she used to ignore the actor initially, but Dharmendra. However, it is said that If media reports are to be believed, the pressure from her parents, but relationship at all.Hema Malini and Main Jawan'. Both of them worked the actors were in the lead roles in this film. and was the father of four children. initially, but gradually the actress herself said that Hema's father was against this relationship. If media reports are to be believed, then under the pressure of the parents, the actress agreed to marry Jitendra, but Dharmendra did not approve of this relationship at all. Let us tell you that Dharmendra's first marriage was with Prakash Kaur. Therefore, legally he could not marry Hema Malini. In such a situation, it is said that both Dharmendra and Hema had adopted Islam and got married. Both the stars got married in the year 1980 and then their love was completed.

